राज
कॉमिक्स
विशेषांक
मूल्य
संख्या 47
सर्कस
सुपर कमांडो ध्रुव
by Anupam & Vinod

सुपर कमांडो ध्रुव
सर्कस
कथा एवं चित्र: अनुपम सिन्हा
इंकिंग: विनोद कुमार
सुलेख एवं रंग: सुनील पाण्डेय
संपादक: मनीष गुप्ता
सर्कस— संसार से अलग एक दूसरा संसार। इसी संसार में पैदा हुआ था... सुपर कमांडो ध्रुव!
और इसी संसार में मरेगा, सुपर कमांडो ध्रुव—
by अनुपम

बदलते समय के साथ-साथ, मनोरंजन के नए-नए साधन, हमारी जिन्दगी में आते जा रहे हैं—
वीडियो गेम
कॉमिक्स
केबिल टी॰ वी॰
और उन नए-नए सुविधाजनक, लुभावने और चमकदार साधनों के सामने फीके पड़ते जा रहे हैं, मनोरंजन के परंपरागत साधन, जैसे—
-सर्कस-
सितारों भरा....
हंगामा
मरकरी
एक रहस्यमय संसार—
आप निश्चिन्त रहिए! यह शहर आपके काम की शुरुआत के लिए एकदम उपयुक्त है।
Mercury
CIRCUS
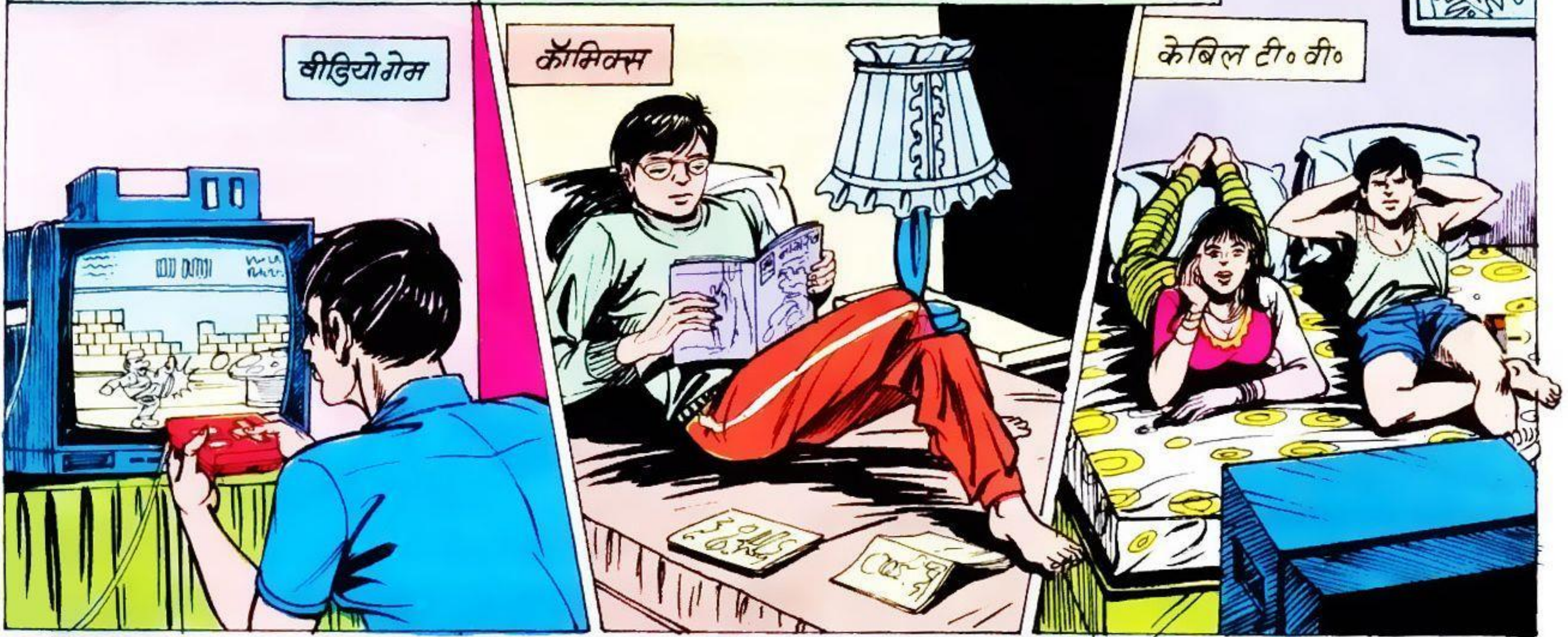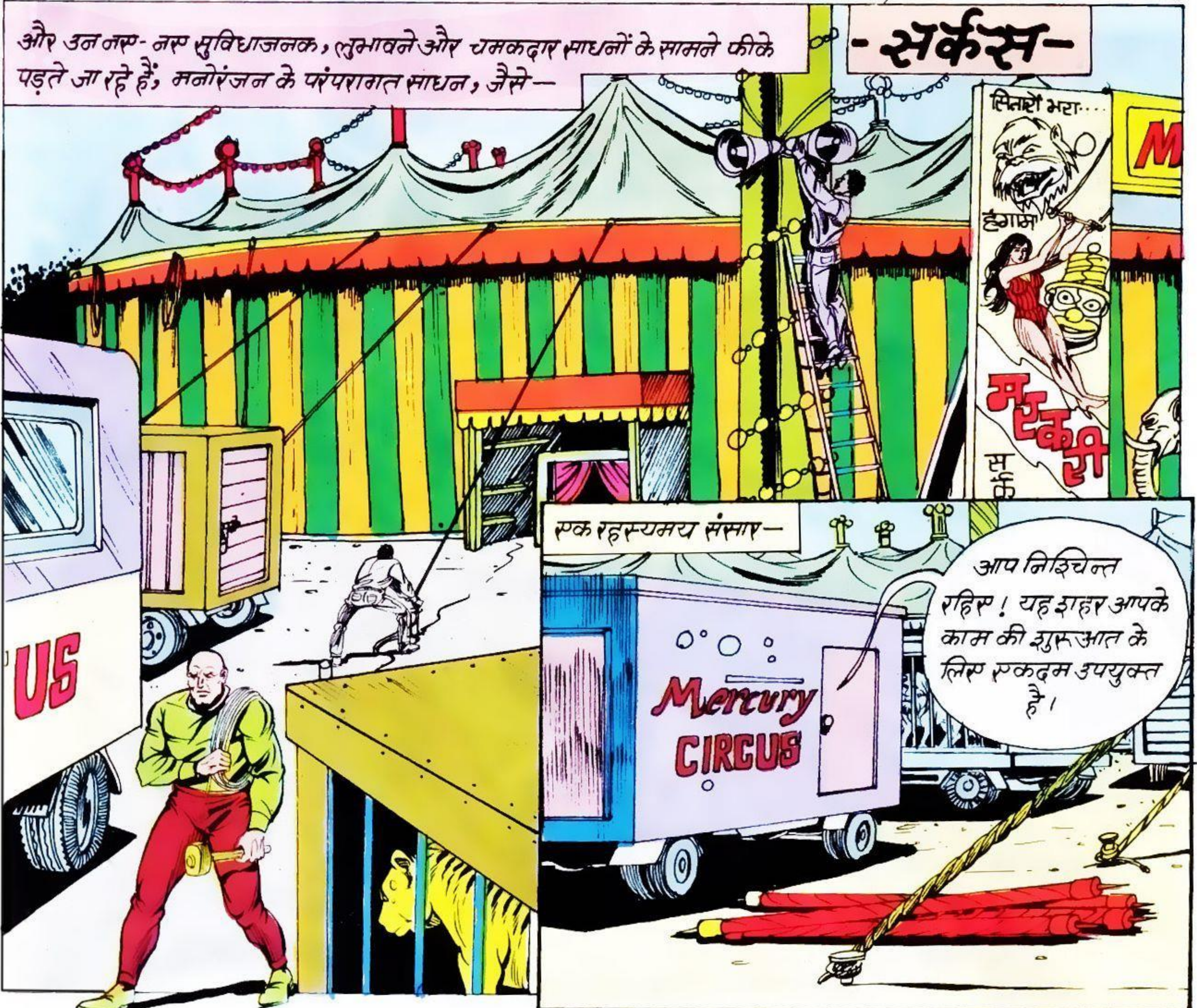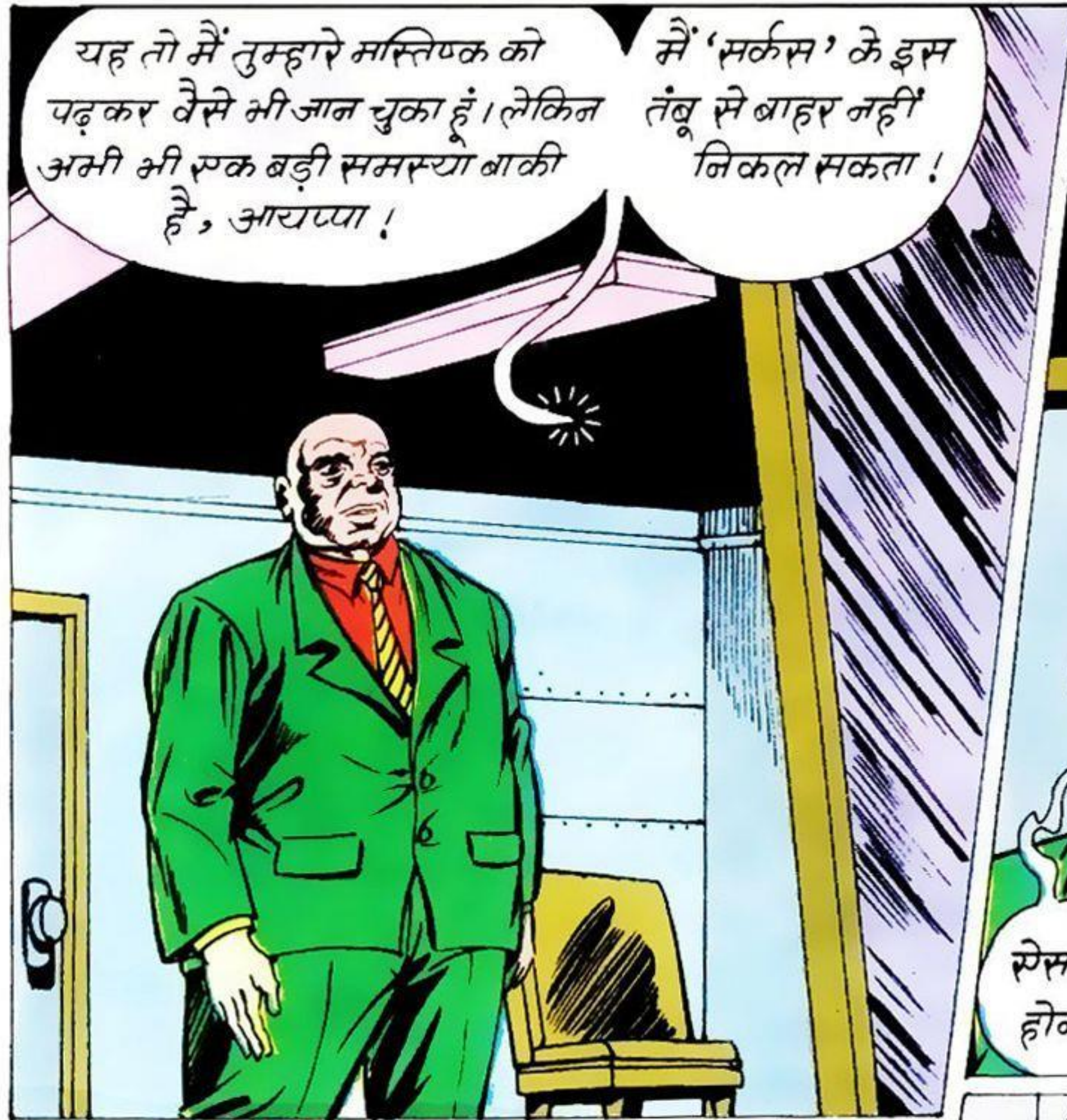
यह तो मैं तुम्हारे मस्तिष्क को पढ़कर वैसे भी जान चुका हूं। लेकिन अभी भी एक बड़ी समस्या बाकी है, आयप्पा!

मैं 'सर्कस' के इस तंबू से बाहर नहीं निकल सकता!

और मेरा अभियान सफल होने के लिए यह जरूरी है, कि इस सर्कस को देखने इस शहर के प्रभावशाली व्यक्तियों के साथ-साथ, ज्यादा से ज्यादा लोग आएं।

क्योंकि मेरे प्रभाव का घेरा अभी इस सर्कस की बाऊंड्री तक ही सीमित है।

ऐसा ही होगा!

तुम्हारी सांसें चलते रहने के लिए यह जरूरी है, कि ऐसा ही हो।

लेकिन उसी समय - सर्कस का सामान लगाते व्यस्त लोगों के बीच-

यही मौका है। इस वक्त कोई भी इस तरफ ध्यान नहीं दे रहा है!
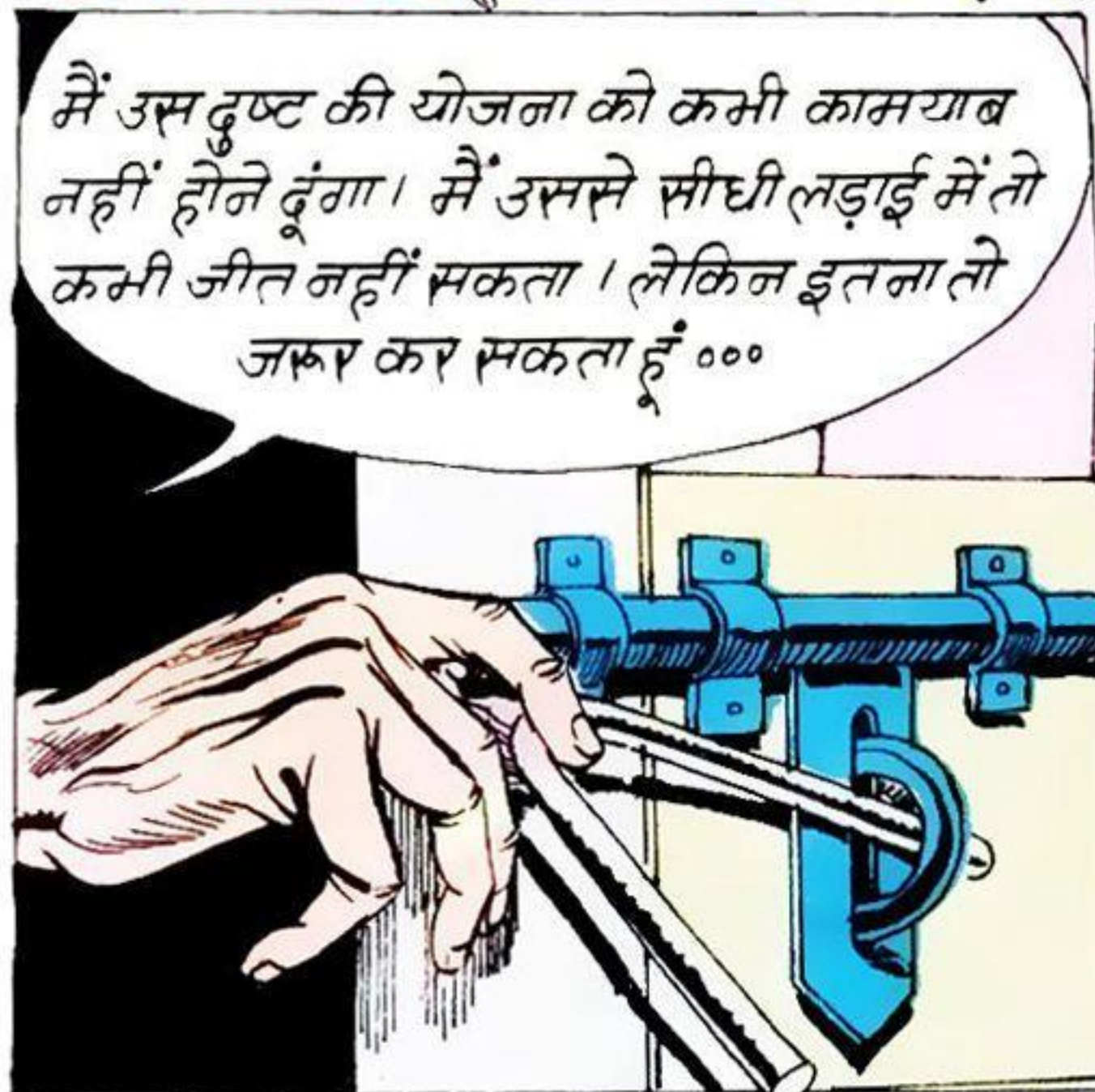
मैं उस दुष्ट की योजना को कभी कामयाब नहीं होने दूंगा। मैं उससे सीधी लड़ाई में तो कभी जीत नहीं सकता। लेकिन इतना तो जरूर कर सकता हूं ...

... कि बदनामी और जनता के विरोध के कारण सर्कस को यह शहर छोड़ने पर मजबूर होना पड़े।

और सर्कस का मालिक आयप्पा भूखा मर जाए।

पिंजरा खुलते ही- एक तेज दहाड़ ने पूरे सर्कस के वातावरण को पहले तो गुंजा दिया-
दहाड़
और फिर स्तब्ध कर दिया-
यह क्या? बबर पिंजरे के बाहर कैसे आ गया? यह तो पागल शेर है।
हां! इसको तो शो तक के लिए नहीं निकाला जाता। भागो!
दहाड़ की आवाज अंदर तक जा पहुंची थी-
दहाड़
यह कैसी आवाज थी, आयप्पा?
यह तो बबर के दहाड़ने की आवाज थी। और वह सिर्फ तभी दहाड़ता है, जब वह पिंजरे से बाहर निकलता है...
तो रोको उसे, मूर्ख! मैंने मेयर पर अपना प्रभाव डालकर सर्कस को शहर के बीचो-बीच वाले मैदान पर लगवाया है।...
...और वह इसलिए ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग हमारा शो देखने आएं। इसलिए नहीं कि एक पागल शेर, शहर में जाकर तबाही मचाए, और हमको यहां से तंबू उखाड़ना पड़े।
मुझे आभास हो रहा है कि बबर, सर्कस की बाऊंड्री के बाहर निकल चुका है। और मेरी शक्तियां उस बाऊंड्री के बाहर काम नहीं करतीं!
प... पर बबर भी तो तुम्हारे कंट्रोल में था।
उसका दिमाग अभी भी मेरे कंट्रोल में है।
लेकिन अब मैं उसको यहां से बैठा, बैठा, संचालित नहीं कर सकता!
जाओ! रोको उसे!

लेकिन बबर तब तक सर्कस का मैदान पार करके बाहर निकल चुका था—
एक पागल शेर, राजनगर में खुला घूम रहा था—
इसी दौरान—
देखो, ध्रुव! यह है मेरे 'मेंटल-मैग्निफायर' का कमाल!
यह एक आम आदमी की मानसिक तरंगों को भी इतना शक्तिशाली कर सकता है, कि वह एक पानी भरा गिलास, मानसिक तरंगों से उठा सके।
और... हां! इससे किसी के दिमाग को वश में भी किया जा सकता है।
किसी के भी?
और अगर इसका इस्तेमाल कोई ऐसा व्यक्ति करे, जिसके पास पहले से ही मानसिक शक्तियां हैं तो वह मानसिक तरंगों से पूरी बिल्डिंग उठा सकता है, नदी के पानी का रुख मोड़ सकता है... और पहाड़ तक में सुरंग बना सकता है।
कमाल का आविष्कार है। और यह क्या-क्या कर सकता है?
इस बारे में मेरा प्रयोग अभी अधूरा है। और उसी के लिए मैंने तुमको बुलाया है।
मैं यह देखना चाहता हूं कि किसी दृढ़ इच्छा-शक्ति वाले व्यक्ति पर इसका क्या असर होता है!
और तुमसे ज्यादा दृढ़ इच्छा-शक्ति वाला व्यक्ति मेरी नजर में नहीं है।
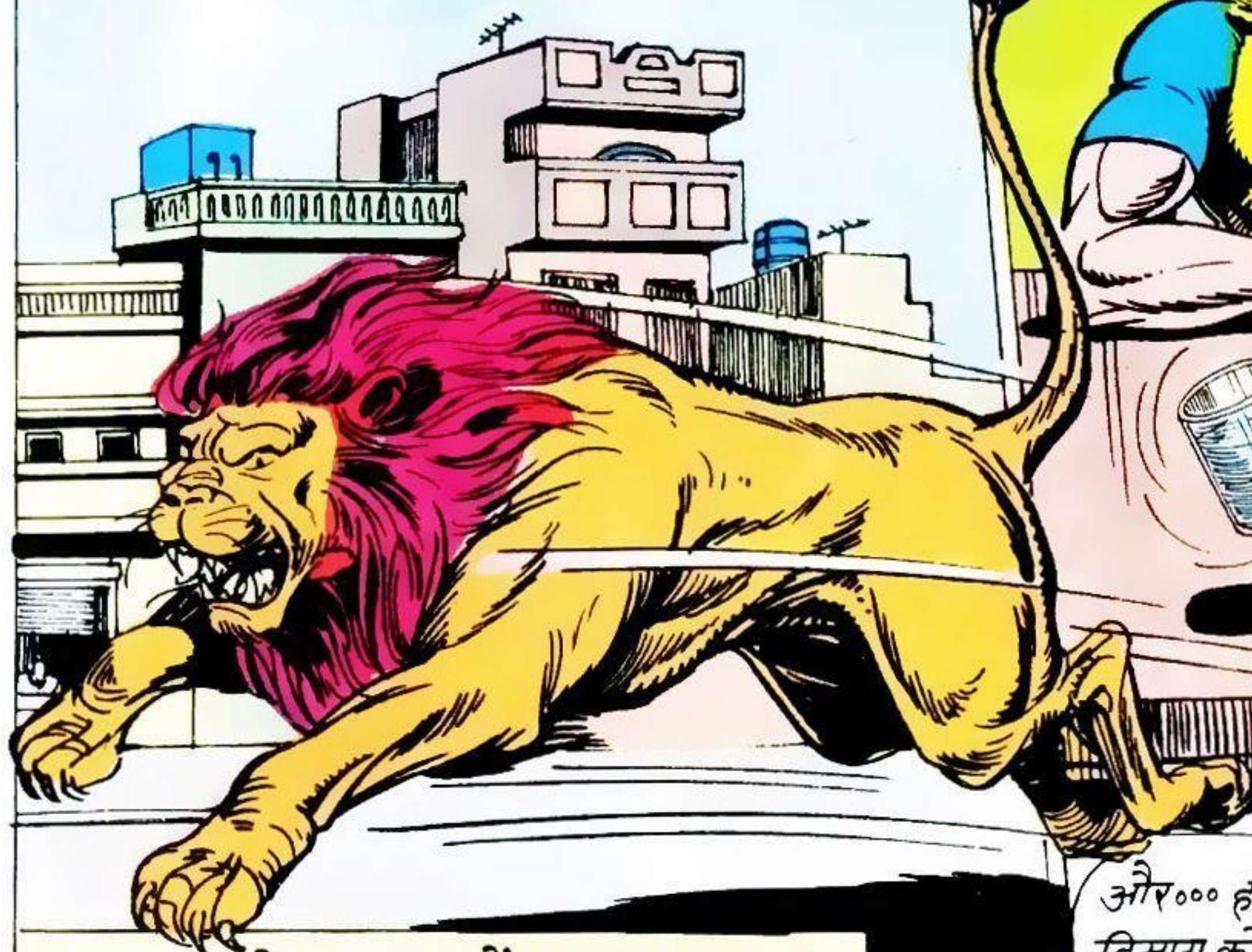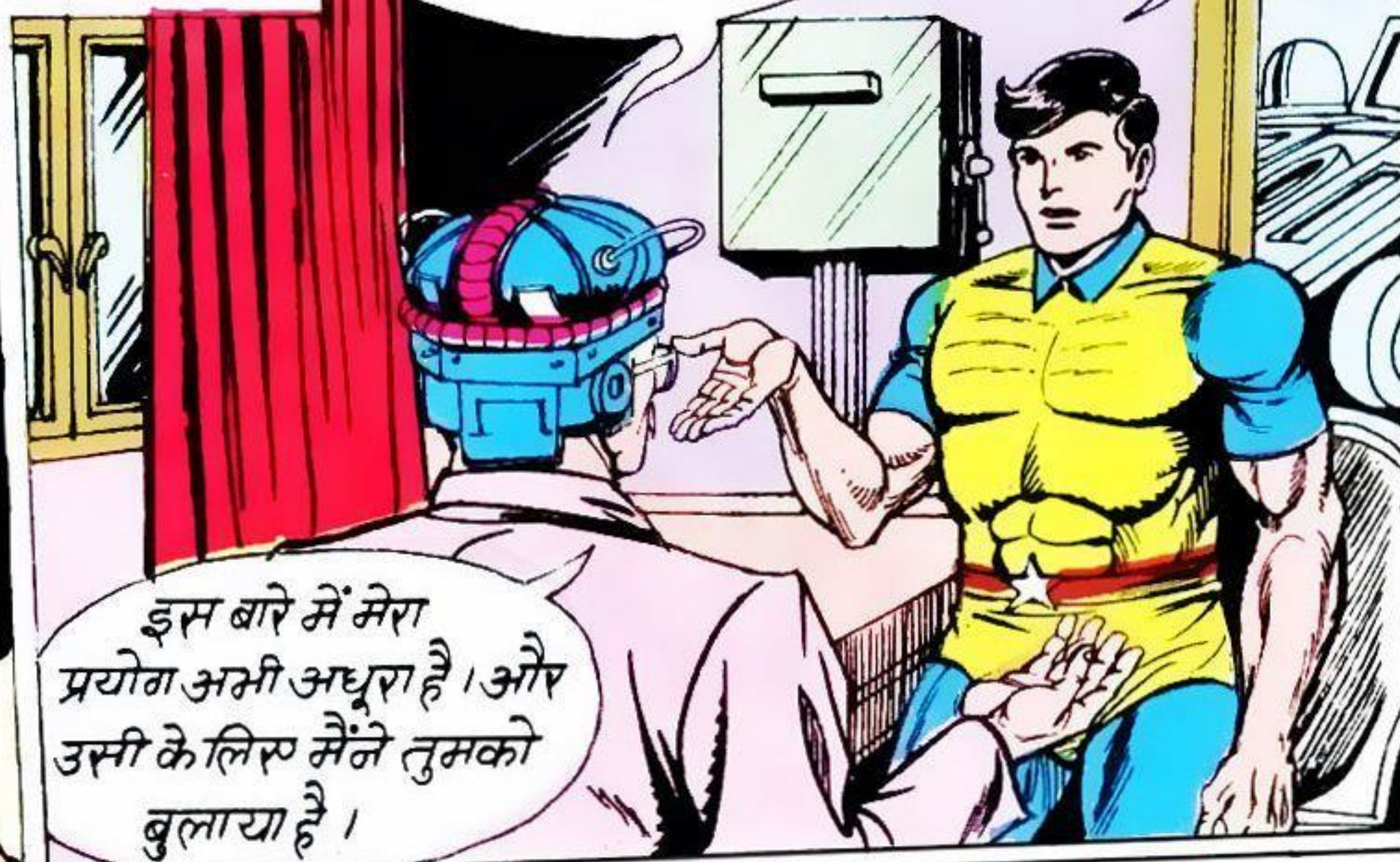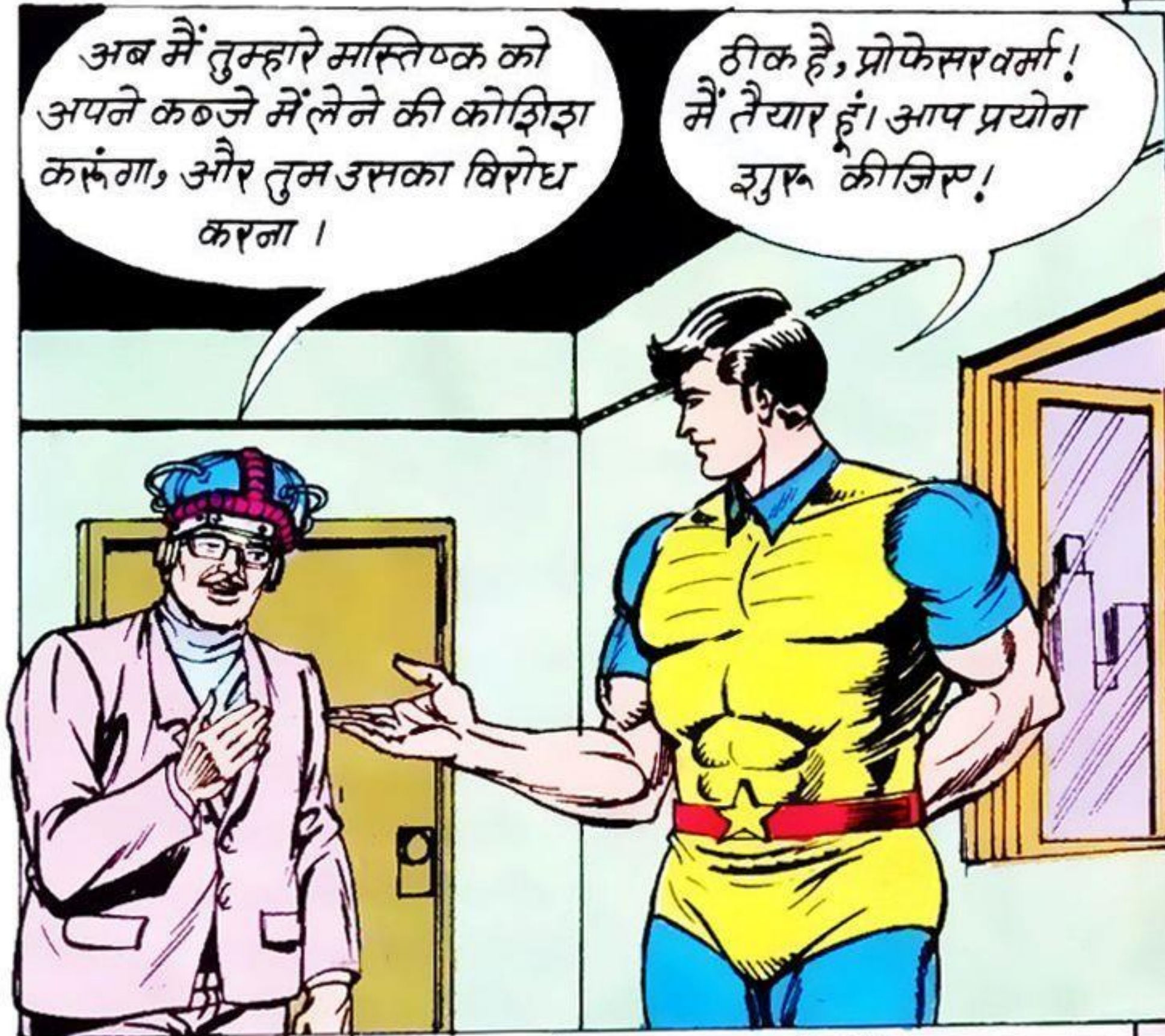
अब मैं तुम्हारे मस्तिष्क को अपने कब्जे में लेने की कोशिश करूंगा, और तुम उसका विरोध करना।
ठीक है, प्रोफेसर वर्मा! मैं तैयार हूं। आप प्रयोग शुरू कीजिए!
प्रोफेसर वर्मा की मानसिक तरंगें 'मेंटल-मैग्निफायर' से होती हुई ध्रुव के मस्तिष्क को भेदने लगीं—
लेकिन-
कुछ हुआ ध्रुव?
नहीं, प्रोफेसर! मुझे तो कुछ महसूस नहीं...
गर्र्र
एक गुर्राहट ने ध्रुव को, बात बीच में ही रोकने पर मजबूर कर दिया—
अरे! यह शेर कहां से आ गया?
ओह! यह जरूर सर्कस से भागा हुआ होगा। यह है शहर के बीच में सर्कस लगाने का परिणाम।
गर्र्र्र
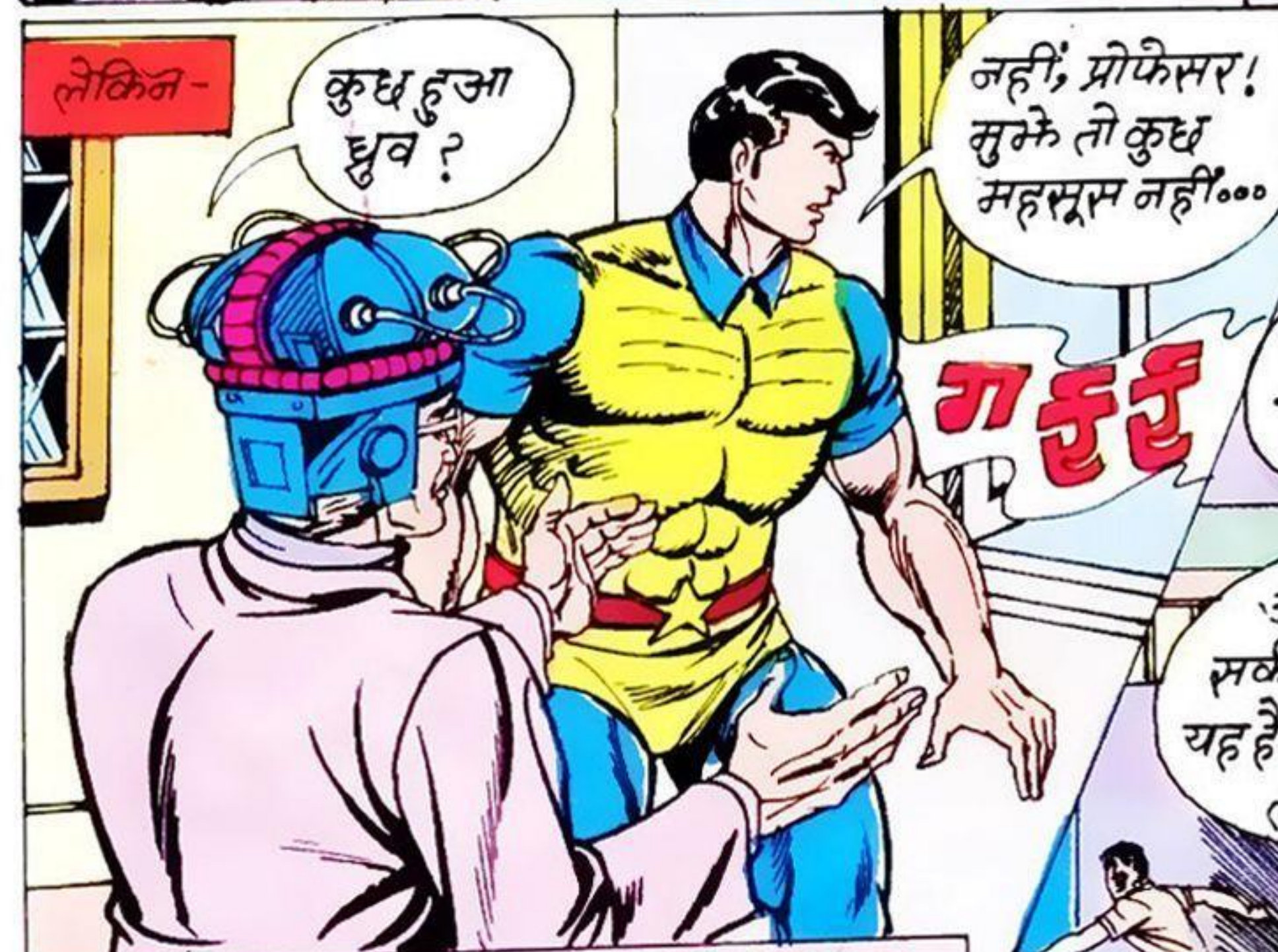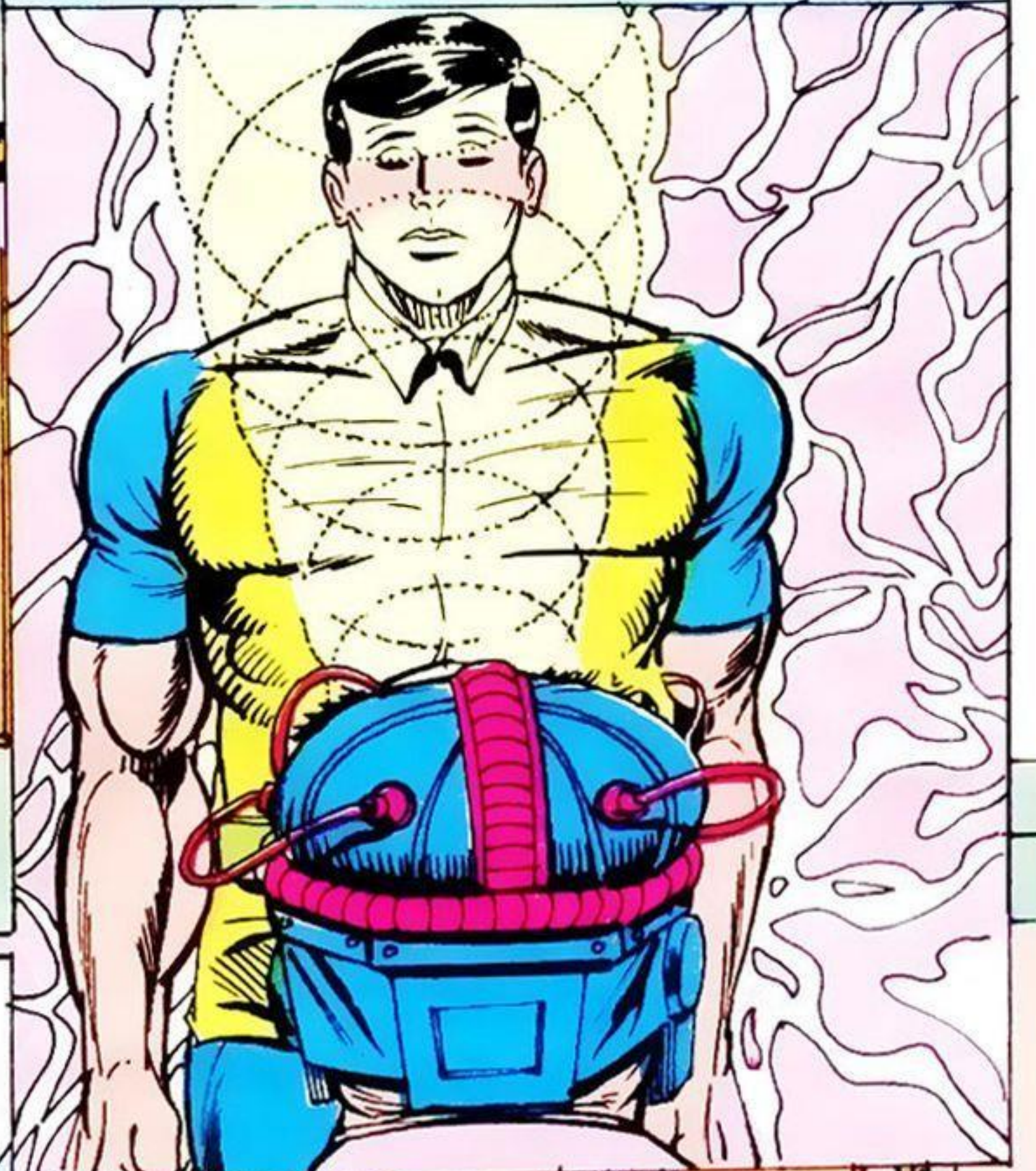
वह उन स्कूल के बच्चों पर कूदने जा रहा है। प्रोफेसर, आप अपने मानसिक यंत्र से इस शेर को कंट्रोल करने की कोशिश कीजिए।
गर्र
मैं कोशिश कर रहा हूं ध्रुव! लेकिन कुछ हो नहीं रहा है। इस शेर के मस्तिष्क पर पहले से ही कोई मानसिक अवरोध लगा हुआ है।
मतलब?
मतलब इस शेर का दिमाग पहले से ही किसी और के कंट्रोल में है।
तब तो मैं ही इसे रोकने की कोशिश करता हूं।
दहाड़.
इधर शेर ने मासूम बच्चों पर छलांग लगाई, और उधर ध्रुव ने खिड़की से शेर की तरफ —
दोनों के शरीर हवा में ही एक-दूसरे से टकराकर —
धाड़ड़.
दूर जा गिरे —

ध्रुव भइया !
अब तो मुझे शेर से डर भी नहीं लग रहा !
ध्रुव भइया, इस शेर को पीटो ! यह हमको डरा रहा था !
गर्र्र्र्र
बच्चो, धीरे- धीरे चलकर उस गली में घुस जाओ ... ...भागना मत !
मैं इस शेर से बात करने की कोशिश करता हूं ।
गर्र्र्र्र्र ! गुर गुर गुर । गर्र र्र रा ऽऽऽ
लेकिन—
गर्र्र्र्क
अरे ! इस पर तो मेरे बहलाने-फुसलाने का कोई असर नहीं हो रहा !
और इसकी गुर्राहट में पागलपन भी झलक रहा है। सर्कस वाले इसको पकड़ने आते ही होंगे ।
मेरा काम है, इसको तब तक किसी पर हमला करने से रोकना !
सड़क पर ट्रैफिक अपने- आप रुक चुका था—
गर्र्र्र्र्र्र्र !
लेकिन आदत से मजबूर गाड़ी वालों के हाथ, हॉर्न पर दबते ही जा रहे थे—
और शेर बौखला रहा था—

अगले ही पल - सबके चेहरों पर दहशत फैल गई -
दहाड़ड़ड़ड़ड़
साक्षात मौत उनके सामने से दौड़ती हुई, करीब आ रही थी -
ओह! यह तो गाड़ियों की तरफ भाग रहा है। मैं इतनी जल्दी उस तक नहीं पहुंच सकता!
कार के शीशे बंद कर पाने तक का समय नहीं मिला, दहशत के कांपते उन हाथों को -
अगर... अगर कोई बीच में आकर, उसकी जिन्दगी की रेखा को और लंबा न कर देता -
तड़
मौत के जबड़े, उस बदनसीब की खोपड़ी पर कस गए -
एक पल बाद ही, भय से फटी वे आंखें हमेशा के लिए फटी रह जातीं -
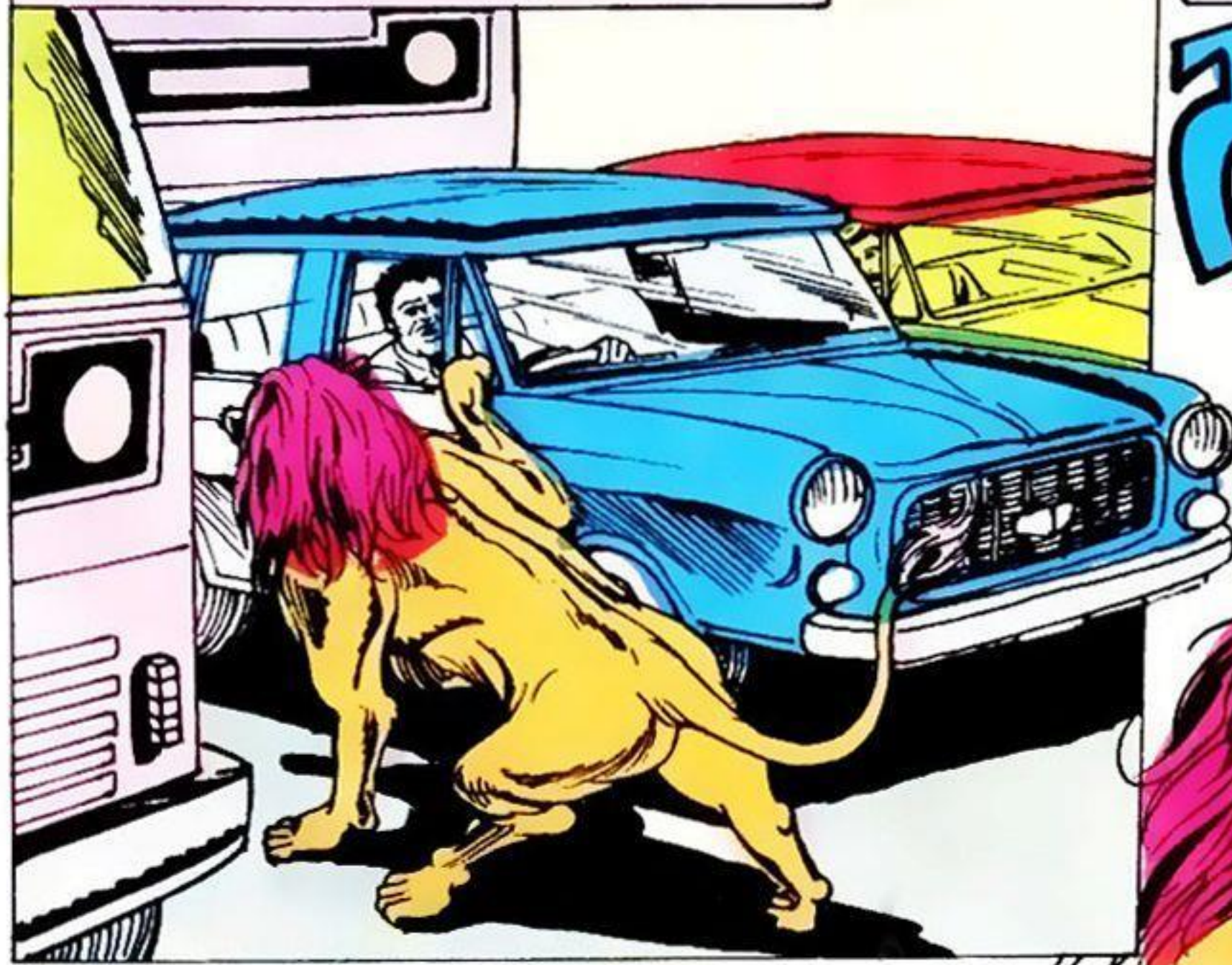
अरे! यह लड़की कौन है? गजब की साहसी है। जिस शेर को देखकर ही लोगों के हाथ-पैर सुन्न पड़ जाते हैं, उससे यह मुकाबला कर रही है।
कुछ भी हो! इसने मुझे वह मौका दिया है, जिसकी मुझे तलाश थी।
अगले ही पल- ध्रुव, शेर को अपनी गिरफ्त में ले चुका था-
शेर तड़पकर सीधा हुआ, तो अब ध्रुव उसकी पीठ पर सवार था-
गर्र्र
बेल्ट खुलकर उसके हाथ में आ चुकी थी-
और उस बेल्ट का फंदा शेर की गर्दन पर कस चुका था-
सर्कस वाले भी घटनास्थल पर आ चुके थे-
चिंयाऽऽऽऽ
अरे! यह लड़का कौन है? बबर की सवारी कर रहा है?

ओफ़ ! अब हम बबर को जाल में पकड़ भी नहीं सकते । जाल डालेंगे तो यह लड़का भी बबर के साथ ही साथ कैद हो जाएगा ।
बबर का दम घुट रहा था । अब उसके पागल दिमाग में भय ने अपना कब्जा जमाना शुरू कर दिया था–
वह भागकर छिपने की जगह ढूंढ रहा था–
उसको नजर आया अपना घर- वह पिंजरा–
वह लपककर पिंजरे में जा घुसा–
??
उसकी गर्दन आजाद हो गई–
और पिंजरे का दरवाजा बंद हो गया–
कमाल हो गया ! बबर तुमसे डर गया !
आज तक ऐसा कभी नहीं हुआ कि बबर को बिना जाल डाले पिंजरे में वापस लाया गया हो !
यह तुम्हारे सर्कस का शेर है ?
इस पागल शेर को खुला क्यों छोड़ा था ?
ध्रुव की आंखों में छलकता क्रोध देखकर–
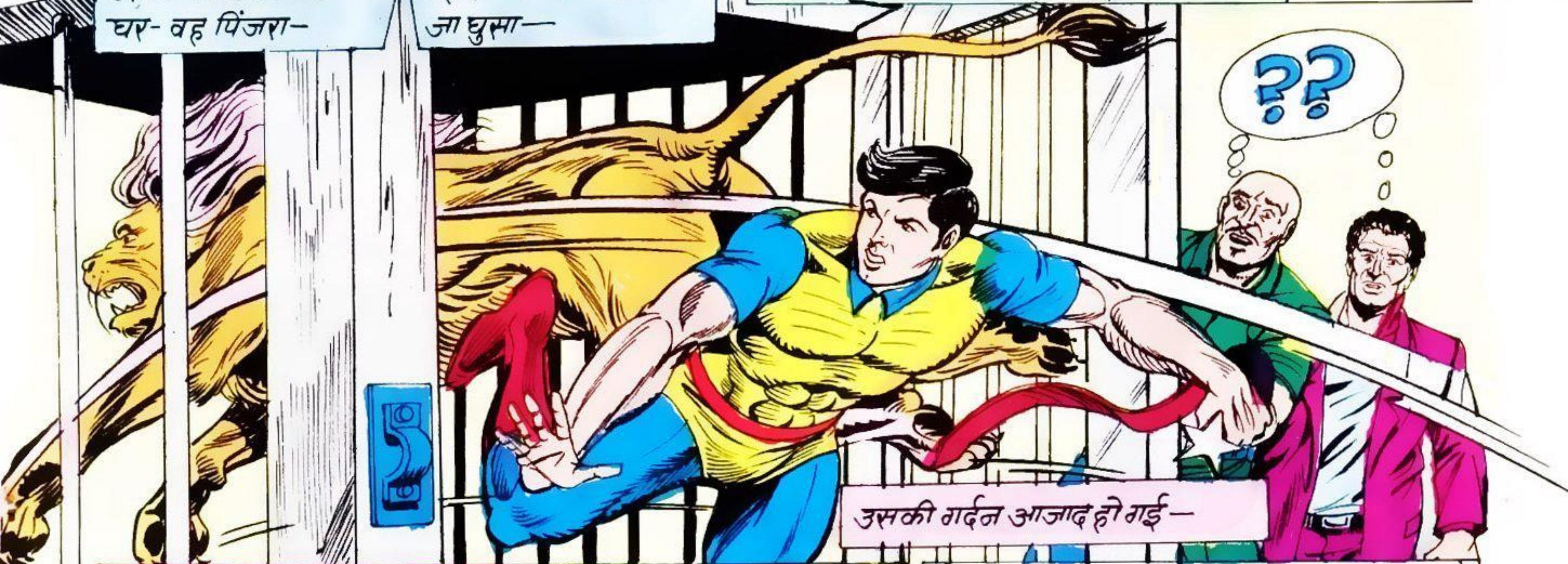
✱ ध्रुव, 'जुपिटर सर्कस' में ही पैदा हुआ था।
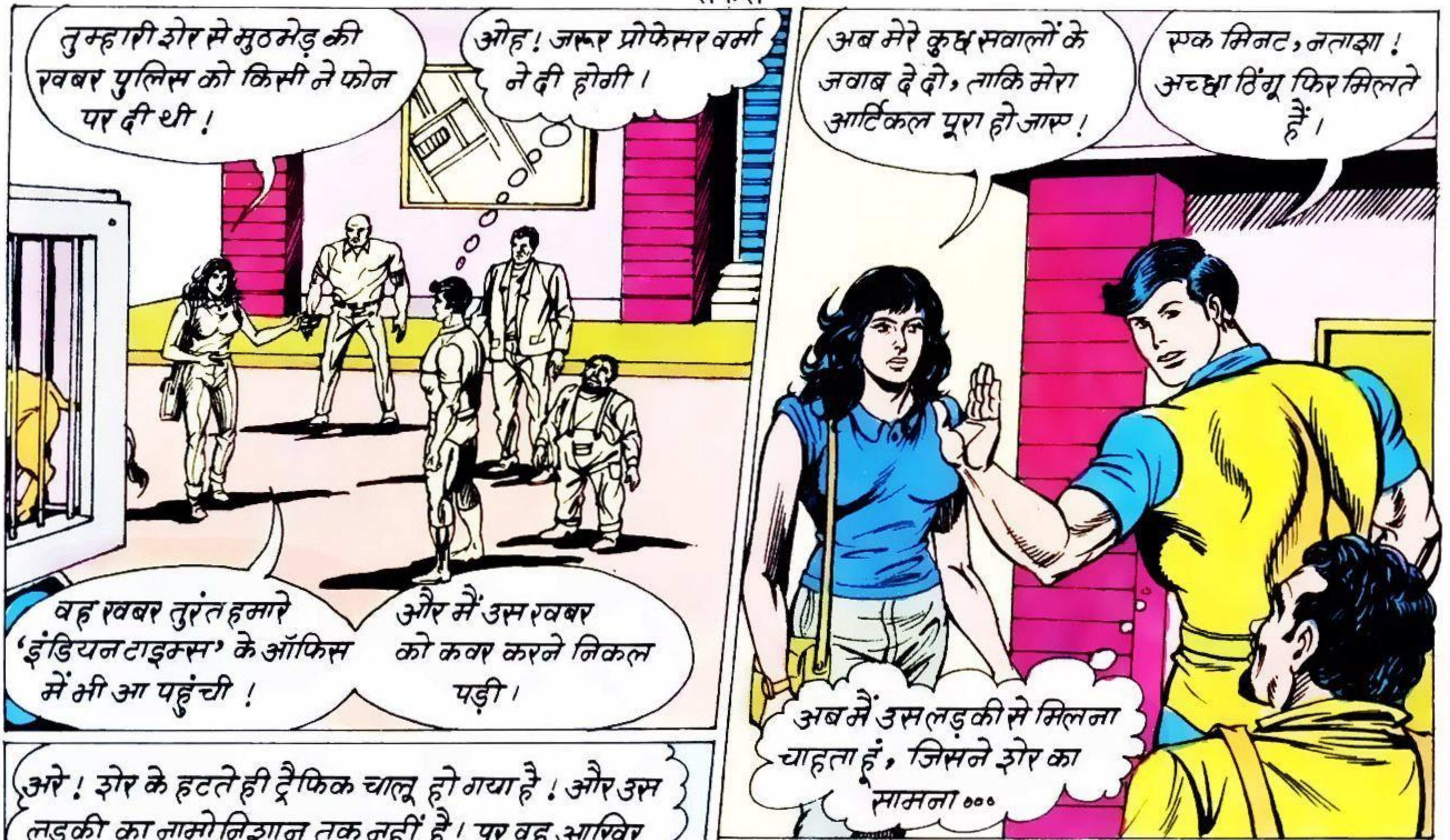
तुम्हारी शेर से मुठभेड़ की खबर पुलिस को किसी ने फोन पर दी थी !
ओह ! जरूर प्रोफेसर वर्मा ने दी होगी ।
वह खबर तुरंत हमारे 'इंडियन टाइम्स' के ऑफिस में भी आ पहुंची !
और मैं उस खबर को कवर करने निकल पड़ी ।
अब मेरे कुछ सवालों के जवाब दे दो, ताकि मेरा आर्टिकल पूरा हो जाए !
एक मिनट, नताशा ! अच्छा ठिंगू फिर मिलते हैं ।
अब मैं उस लड़की से मिलना चाहता हूं, जिसने शेर का सामना...
अरे ! शेर के हटते ही ट्रैफिक चालू हो गया है ! और उस लड़की का नामोनिशान तक नहीं है ! पर वह आखिर थी कौन ?
Kellogg
ध्रुव, उस वक्त तक यह नहीं जानता था कि बहुत जल्द ही उसकी मुलाकात, उस लड़की से फिर होने वाली है—
और फिर—
तुम्हारा इंटरव्यू तो टेप हो गया, ध्रुव !
लेकिन मेरा आर्टिकल अभी अधूरा है । उसको पूरा करने के लिए मुझे सर्कस जाकर वहां भी कुछ पूछ-ताछ करनी होगी ।
और उसके बाद मैं ऐसा जबरदस्त आर्टिकल लिखूंगी, कि सर्कस वालों की ऐसी-तैसी हो जाएगी ! तुम देखना, मैं इस सर्कस को शहर से दूर जाने के लिए मजबूर कर दूंगी ।
बेस्ट ऑफ लक, नताशा !

ऐसे 'बेस्ट ऑफ लक' नहीं। तुमको मेरे साथ 'मरकरी सर्कस' चलना पड़ेगा। सर्कस पर एक धुआंधार आर्टिकल लिखने के लिए मुझे एक जानकार आदमी की जरूरत भी है।
और सर्कस के बारे में तुमसे ज्यादा जानकार आदमी मुझे और कहां मिलेगा? आखिरकार तुम सर्कस में ही पैदा होकर पले बढ़े हो! *
नताशा की जिद ने ध्रुव को मजबूर कर दिया—
एक बात तो बताओ, ध्रुव! तुम यहां पर शेर से लड़ने के लिए कैसे पहुंच गए?
बस! संयोग समझ लो नताशा!
प्रोफेसर वर्मा ने मुझे किसी को भी इस मानसिक यंत्र के बारे में बताने की सख्त मनाही की है।
उधर सर्कस में—
आपका प्लान फेल हो गया, सर! इससे पहले कि बबर किसी को नुकसान पहुंचा पाता, ध्रुव वहां पर पहुंच गया!
उसने बबर को वापस पिंजरे में बन्द कर दिया! प्लान टांय-टांय फिस्स!
मेरे पास एक नहीं, कई प्लान हैं ठिंगू!
और अगर ध्रुव ने मुझे रोकने की कोशिश की, तो वह भी गेहूं के साथ घुन की तरह पिस जाएगा!
नताशा और ध्रुव, मरकरी सर्कस पहुंच चुके थे—
ओह! आप जर्नलिस्ट हैं। आहा। मैं सर्कस का मालिक आयप्पा हूं।
* पढ़ें 'प्रतिशोध की ज्वाला'

आप मेरे साथ मेरे 'ट्रॉलर केबिन' में आइए।
मैं आपको आपके हर सवाल का, माकूल जवाब दूंगा।
और इसी वक्त–
देखो ठिंगू! मैदान साफ है न!
फिलहाल तो अपना मैदान सफाचट समझिए सर! अभी रुक जाइए।
सुपर कमांडो ध्रुव यहां पर आया हुआ है!
तुम दो मिनट इंतजार करना, ध्रुव! मैं अभी आई!
शायद ये सर्कस का मालिक, तुम्हारे सामने मुझसे खुलकर बात न कर सके!
यह तो और अच्छा है, ठिंगू! अगर उसकी आंखों के सामने ही एक भयानक एक्सीडेण्ट हो जाए, तो वह भी इस सर्कस के खिलाफ हो जाएगा।
तुम देखो कि 'इलेक्ट्रिक केबिन' तक जाने का रास्ता साफ है या नहीं!
साफ ही समझिए!
वैसे भी इस सर्कस में कोई किसी पर ध्यान नहीं देता।
आप मेरे साथ आइए।
अगर एक पागल शेर को सर्कस से भागकर शहर में जनता पर हमला करना रोजमर्रा का हादसा है...
... तो बेहतर यही होगा कि सर्कस को आबादी से दूर किसी स्थान पर लगाया जाए!
हां, मिस... ए... नताशा, तो मैं आपको बता रहा था कि ऐसी दुर्घटनाएं तो सर्कस में रोजमर्रा के हादसे हैं। इससे यह अंदाज लगाना गलत है कि हमारी सुरक्षा-व्यवस्था कमजोर है।

अगले ही पल- नताशा को अपने दिमाग में गर्म चाकू से धंसते महसूस हुए-
उसका अंग-अंग कांप उठा-
और इसी दौरान-
यही मौका है। इलेक्ट्रिक रूम में इस वक्त कोई नहीं है। अब मैं ट्रांसफार्मर पर लोड बढ़ाता हूं। उसके बाद तू तमाशा देखना ठिंगू!
हाथों की पूरी ताकत ने 'कनेक्टर' को खींच दिया-
खट
और 'ओवरलोड' होते ही, ट्रांसफार्मर एक धमाके के साथ फट पड़ा-
फटाक
ओह!
ओह! शायद सर्कस में कहीं शार्ट-सर्किट होने से ट्रांसफार्मर फट गया है।
और उससे उस मकान में आग लग गई है।
अरे, बचाओ रे! आग लग गई!

ओह! लगता है, नीचे से छत तक जाने वाला सीढ़ियों का पूरा हिस्सा आग में घिर गया है। वह लड़का न ऊपर जा सकता है, न नीचे आ सकता है!
इस इमारत में अंदर पहुंचने का और कोई रास्ता नजर भी नहीं आ रहा है!
ख्यालों में डूबे ध्रुव को टनटनाहट की एक आवाज ने जगा दिया—
फायर ब्रिगेड की गाड़ी घटनास्थल पर आ गई थी—
टन टन टन टन टन टन
जल्दी करिए! सीढ़ी लगाइए। मैं ऊपर जाकर उस बच्चे को बचाने की कोशिश करता हूं।...
..तब तक आप आग बुझाने का इंतजाम कीजिए!
यह सीढ़ी वाली गाड़ी नहीं है, ध्रुव! हम लोगों को जल्दी में जो गाड़ी मिली, वही लेकर चले आए।
ओफ! अब क्या होगा?
घबराओ मत! हम लोग आग बुझाने का प्रयास कर रहे हैं!
तब तक तो आग उस बच्चे तक पहुंच जाएगी।...
...और वह डर के मारे नीचे तक नहीं कूद रहा है!
मैं गाड़ी की छत पर चढ़कर, छलांग लगाकर, उस खिड़की तक पहुंचने की कोशिश कर सकता हूं। पर मैं उतनी ऊपर छलांग नहीं लगा सकता!...
...अगर छलांग लगाते वक्त मुझे जरा सा और धक्का मिल जाए, तो मैं उस खिड़की तक... एक मिनट...
... मिल गया रास्ता! मेरी बात ध्यान से सुनो...

अगले कुछ पलों बाद- ध्रुव, फायर बिग्रेड की गाड़ी की छत पर आ खड़ा हुआ था—

रेडी! वन... टू...

थ्री...

ध्रुव का बदन, एक शक्तिशाली छलांग से, हवा में लहरा गया—

और उसी पल—

हर पाइप से निकलती पानी की मोटी धारें, उसके बदन से टकराईं—

और पानी की तेज और सम्मिलित धारों के प्रेशर ने...
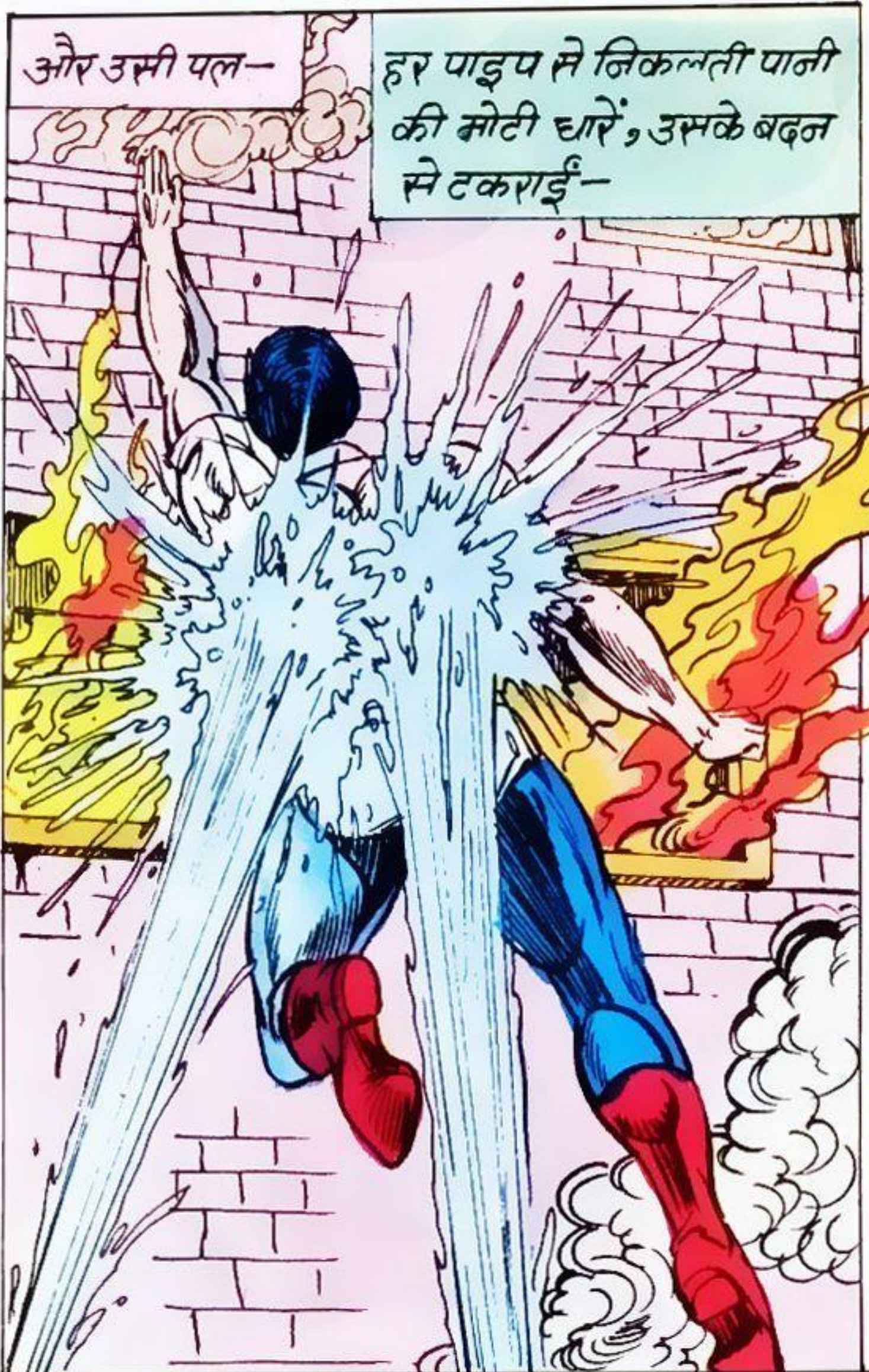
... ध्रुव को खिड़की तक उछाल दिया—

मम्मी... ऊं ऊं ऊंवा... मम्मी के पास जाना...

खों खों खों...

डरो नहीं, बेटे! मैं तुमको मम्मी के पास ले चलूंगा। आओ! मेरे साथ आओ!
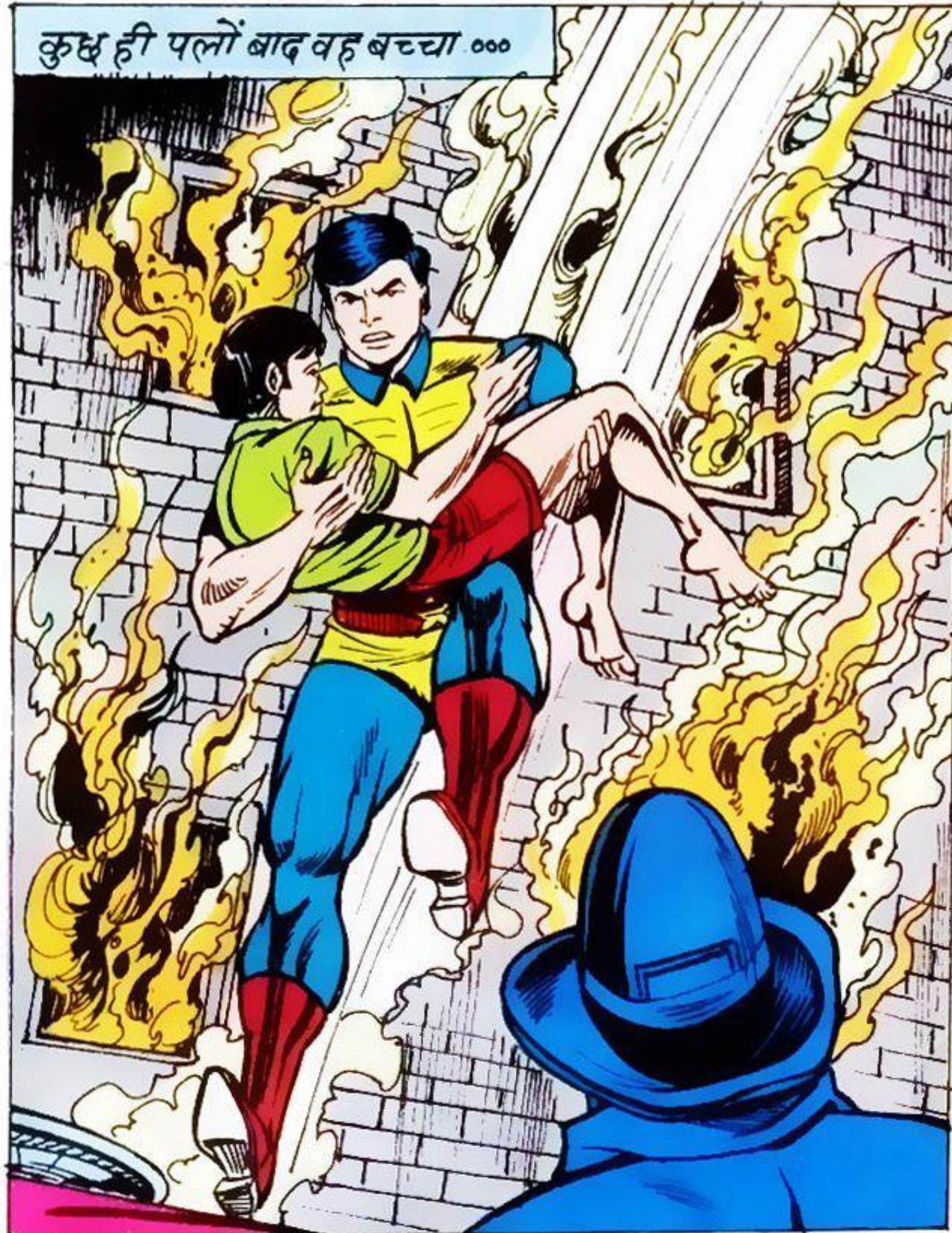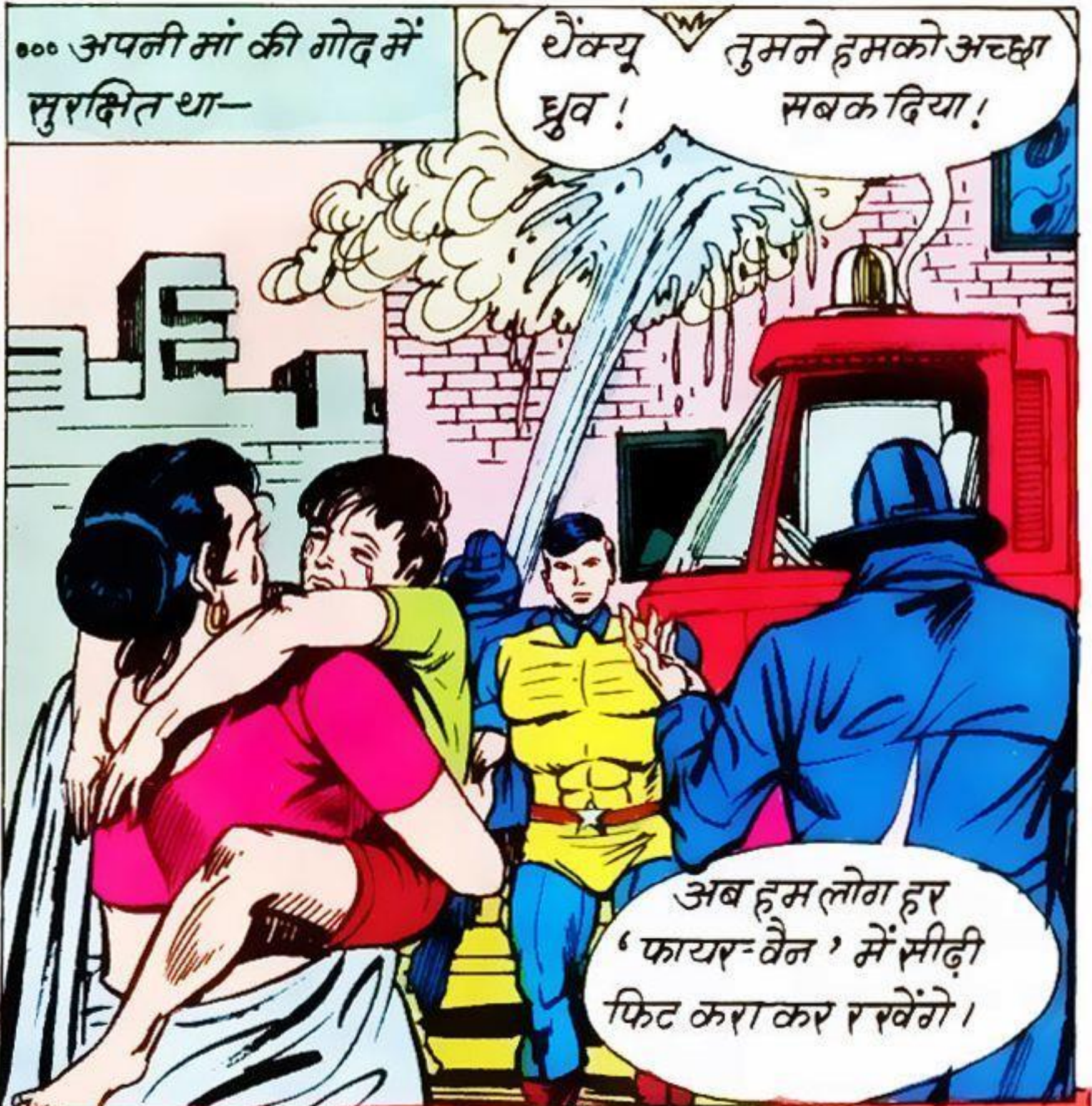
कुछ ही पलों बाद वह बच्चा ...
... अपनी मां की गोद में सुरक्षित था—
थैंक्यू ध्रुव !
तुमने हमको अच्छा सबक दिया।
अब हम लोग हर 'फायर-वैन' में सीढ़ी फिट करा कर रखेंगे।
और वापस सर्कस में—
नहीं नताशा ! ऐसे हादसे शायद कई सालों में एक बार होते हैं। तुम...
नताशा, तुम्हारा इंटरव्यू हो गया ?
हां, ध्रुव ! इस सर्कस के बारे में मेरी सारी गलतफहमियां दूर हो गईं।
Merc
नहीं, नताशा ! कहीं कुछ गड़बड़ जरूर है। इस शहर में सर्कस के लगते ही लगातार दो हादसे हो जाना, यह बताता है कि इस सर्कस की कार्य प्रणाली में कुछ गड़बड़ है।
ये मामूली हादसे हैं ध्रुव ! सर्कस में होते रहते हैं।
मैं अपना दिमाग भी रखती हूं ध्रुव !
मुझे समझाने की कोशिश मत करो।

सर्कस एक बहुत अच्छा मनोरंजन है। और इसको हर आदमी को देखना चाहिए।
?
यही मेरा दृष्टिकोण है। और, यही मैं अपने आर्टिकल में भी लिखूंगी।
अब तुम मुझे छोड़ने चल रहे हो, या मैं टैक्सी पकड़कर वापस जाऊं?
ये नताशा को क्या हो गया? इंटरव्यू लेने के बाद यह तो बदल ही गई। खैर जाने दो।
चलो, चलता हूं।
और फिर—
ये चक्कर समझ में नहीं आ...
ओ ऽऽऽ आपको क्या हुआ मिस्टर ध्रुव?
पिटाई खाकर आए हो? सुबह-सुबह सेर को सवा सेर मिल गया क्या?
सेर तो नहीं, लेकिन शेर जरूर मिल गया था!
शेर! सचमुच का शेर! त... त... तुमको डर नहीं लगा?
लगा था! और उस वक्त मुझे अपनी बहादुर बहन श्वेता की याद आ रही थी कि अगर वह, वहां पर होती, तो शेर तो उसको देखकर ही डर से मर जाता।
अहम्मा! हहाहा हा। शेर-वेर को पटकना, मेरे दाएं हाथ... नहीं-नहीं बाएं हाथ का कमाल है। पर वह शेर आया कहां से था?

मरकरी सर्कस से भागकर आया था।
सर्कस! सर्कस लग गया ?
तुझे सर्कस अच्छा लगता है? देखने जाएगी?
अच्छा... तो लगता है। लेकिन तुम्हारे रहते, सर्कस जाने की क्या जरूरत है ?
दिन भर घर में ही फ्री के तमाशे देखने को मिल जाते हैं।
ठहर तो! अभी बताता हूं तुझे!
मम्मी, बचाओ! मम्मी तो घर पर हैं नहीं... पापा बचाओ!
कोई नहीं बचाएगा तुझे...
...आज तो तेरी पिटाई होकर रहेगी।
क्या हो गया?
पापा! पापा! भइया से मुझे बचाओ। बाहर से पिटकर आता है, और घर में मुझ पर रौब झाड़ता है।
अच्छा! किसने पीट दिया तेरे भइया को? जरा मुझे भी तो पता चले कि ऐसा कौन सा सूरमा पैदा हो गया, जो मेरे बेटे का बाल टेढ़ा कर सके।
सूरमा नहीं! शेर था पापा...
शेर
गर्रर्रर्र!

शेर! क्या हुआ था, ध्रुव?
ध्रुव, आई० जी० राजन को प्रोफेसर वर्मा और उनके मानसिक यंत्र की बात छोड़कर, सारी घटना सुनाता चला गया—
लेकिन तुम तो शेरों से बात कर सकते हो!
वह शेर मेरी बात नहीं समझ रहा था। मुझे आभास हुआ कि उसका दिमाग किसी के कब्जे में था!
आश्चर्य है! और वह सर्कस का ट्रांसफार्मर कैसे उड़ गया?
वह मुझे पता नहीं!
ओह! यानी सर्कस की सुरक्षा व्यवस्था में कुछ कमियां हैं।
मुझे एक बात और समझ में नहीं आई०००
०००और वह यह कि मेयर साहब ने इस मैदान पर सर्कस लगाने की अनुमति क्यों दी? यह मैदान तो लोगों के घूमने-खेलने के लिए है।
मैंने मेयर साहब से इस बारे में बात की थी। पर मुझे कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला!
खैर, अभी मैं खुद सर्कस जाता हूं००० और वहां पर जाकर उनकी सुरक्षा व्यवस्था को अच्छी तरह चेक करूंगा।
दोनों में से किसी का भी ध्यान श्वेता पर नहीं था—
एक पागल शेर किसी दूसरे के मानसिक कंट्रोल में! ऐसा कभी सुना तो नहीं। लगता है चंडिका को बीच मैदान में कूदना ही पड़ेगा।
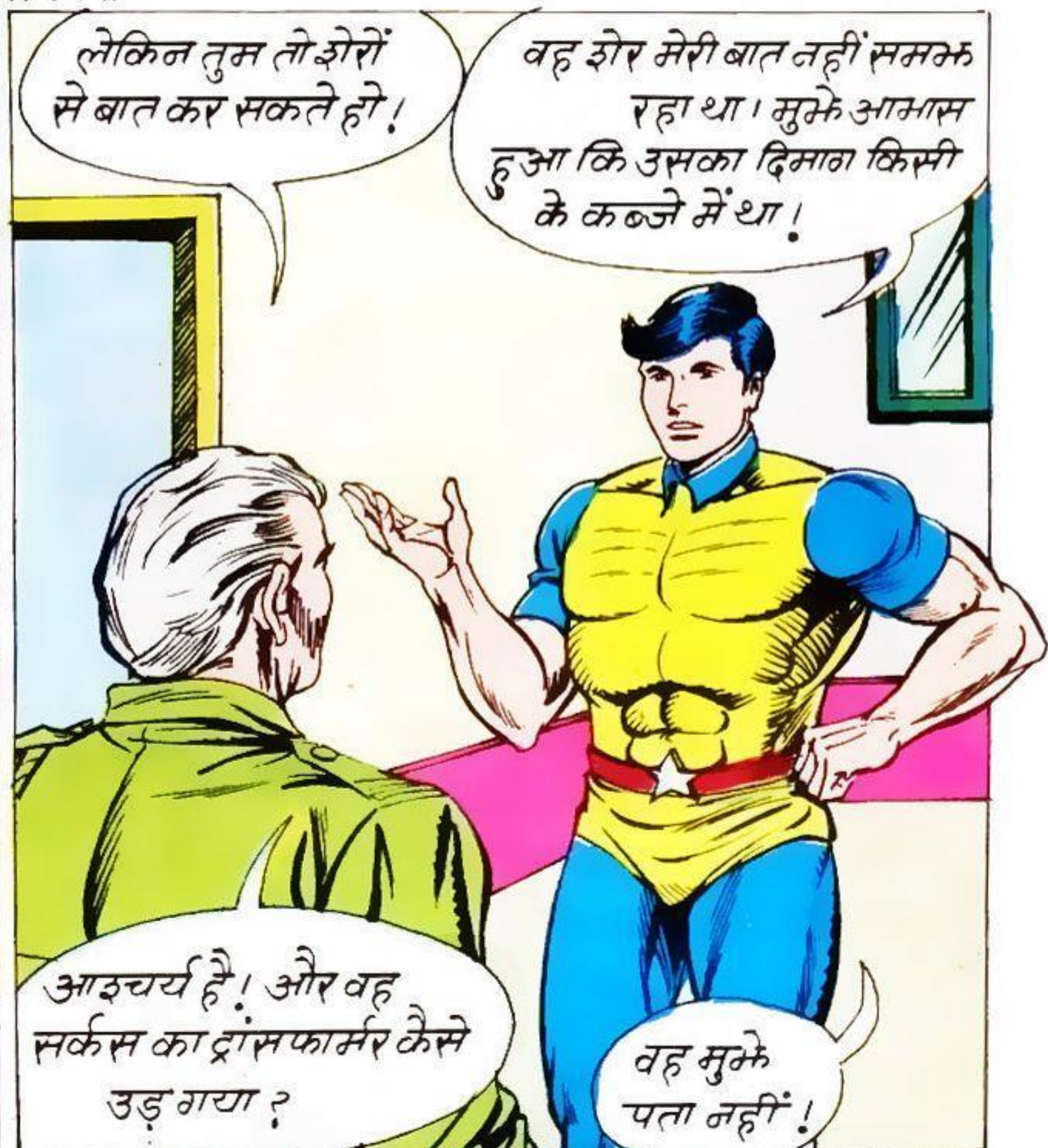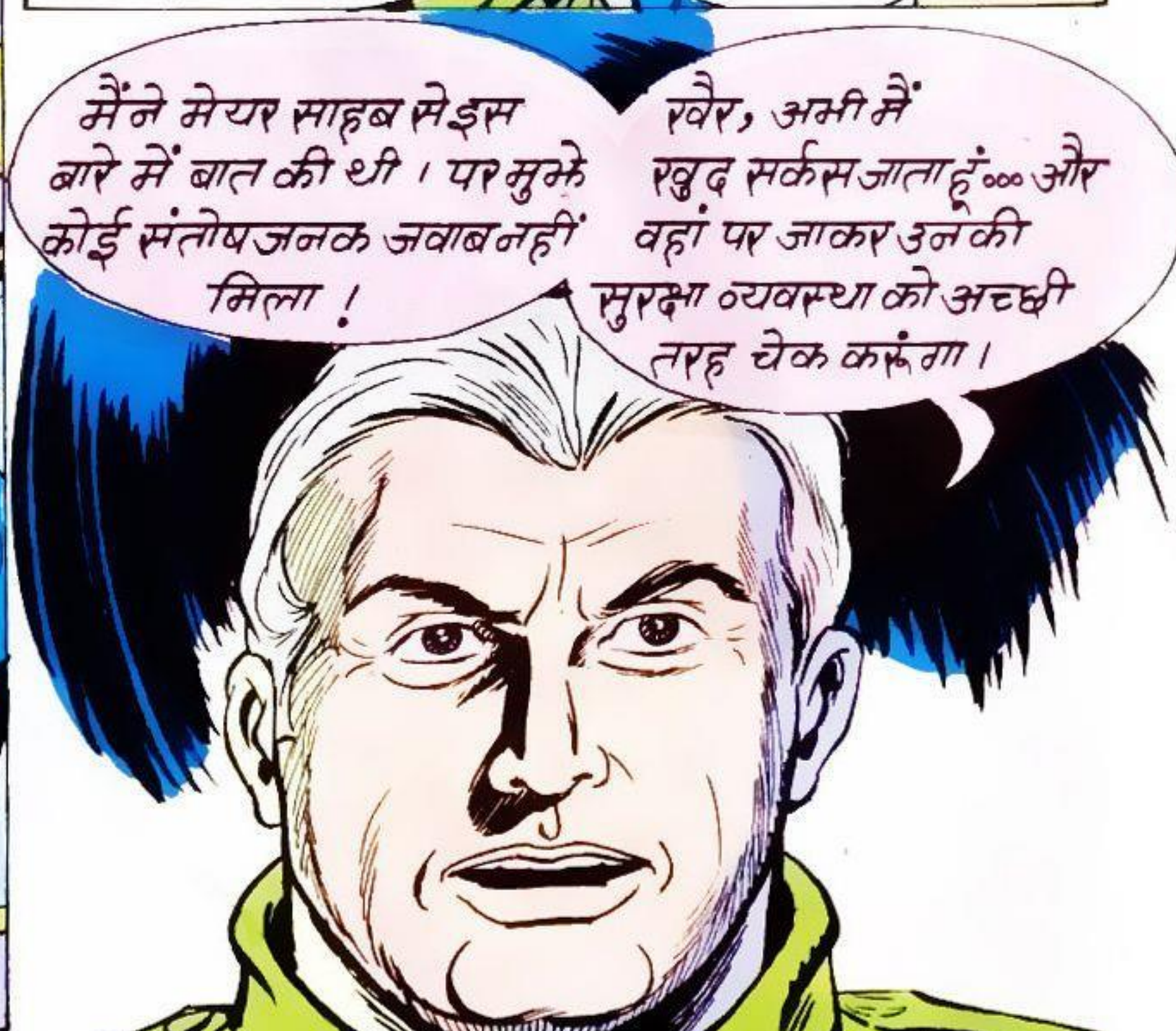
कमांडो फोर्स का हैडक्वार्टर —
हैलो, करीम !
टर्रर्र र्रर्रर्रर्र
हैल्लो, कैप्टेन !
क्या बात है, जेनरेटर क्यों चल रहा है ? बिजली नहीं आ रही है क्या ?
यहां ही नहीं, बिजली आस-पास के किसी भी एरिया में नहीं आ रही है !
ऐसा क्यों ?
मरकरी सर्कस को जिस लाइन से बिजली सप्लाई की जा रही थी, उसमें कुछ खराबी हो गई है।
हां, उस लाइन पर का एक ट्रांसफार्मर उड़ गया है।
ठीक पता है तुमको ! उससे पॉवर लाइनों में कहीं शॉर्ट- सर्किट हो गया है। अब सर्कस को हमारी लाइन की बिजली सप्लाई की जा रही है।
कमाल है ! कई जरूरी कामों को छोड़कर, सर्कस को बिजली दी जा रही है।
और इस तरफ के निवासी, अंधेरे में बैठे हुए हैं।
हां, लगता है कि सर्कस वालों का राज-नगर इलैक्ट्रिक सप्लाई एसोसिएशन पर काफी प्रभाव है। वर्ना ऐसा नहीं होता।
मामला कुछ समझ में नहीं आ रहा। पहले इस पार्क में सर्कस लगाने की इजाजत मिलना ! फिर शहर की बिजली काटकर सर्कस को बिजली देना... अब आगे क्या होगा ?
मैं भी चाहता हूं कि सर्कस को सुविधाएं दी जाएं।
लेकिन यह तो जरूरत से ज्यादा हो रहा है।
कहीं पर कुछ गड़बड़ है। मुझे मरकरी सर्कस की छानबीन करनी ही पड़ेगी।

उस शाम – राजनगर में सर्कस का पहला शो शुरू हुआ–
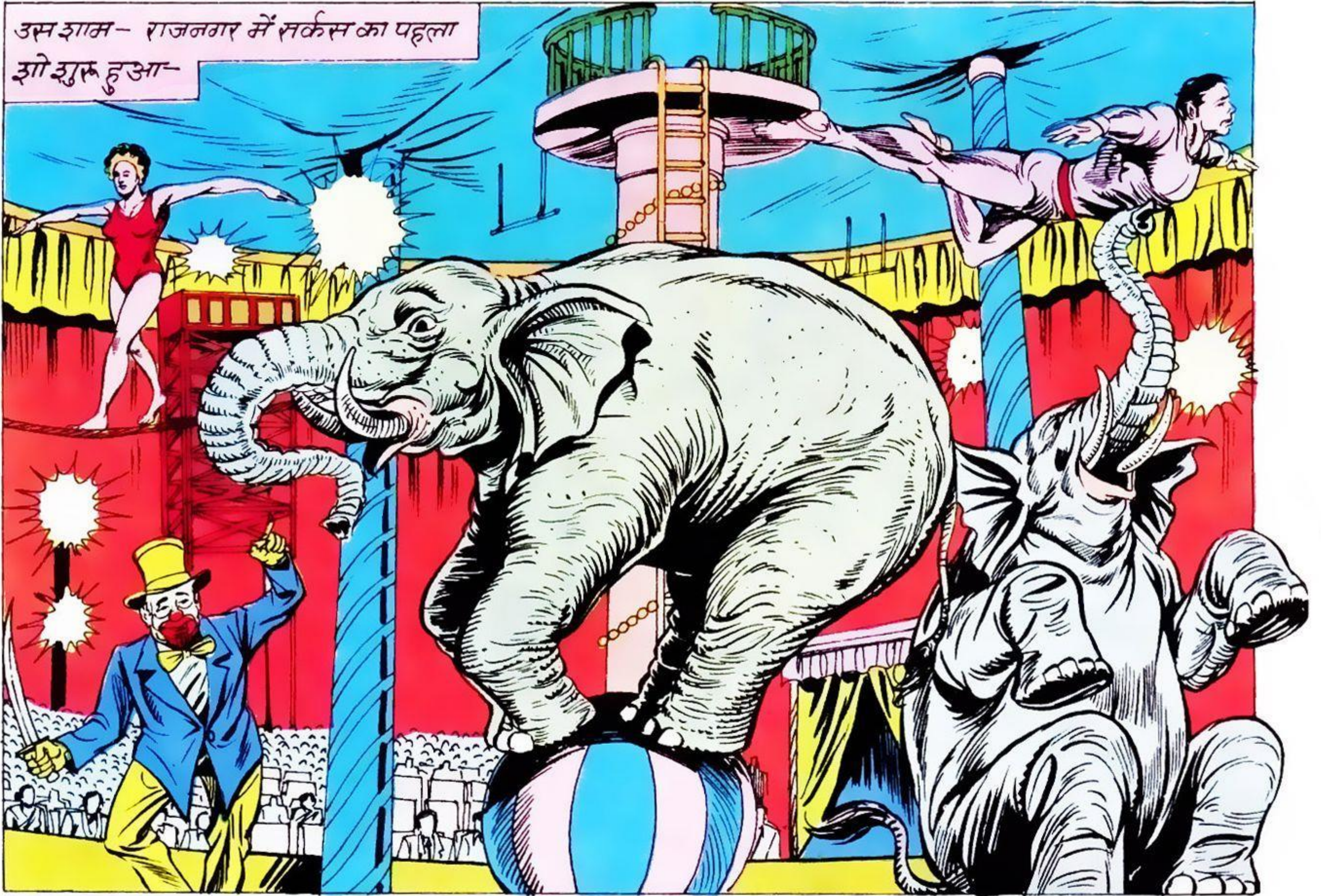
और साथ ही साथ शुरू हुआ एक नया हंगामा–

हैलो... हैलो... करीम! मैं... आह... पीटर!

पीटर को क्या हुआ? यह कराह क्यों रहा है?

यह पूर्वी राजनगर की गश्त पर गया था!

रेणु भी इसके साथ थी। कुछ गड़बड़ हो गई है।

पीटर! मैं कैप्टेन! क्या हुआ? तुम कहां से बोल रहे हो?

मैं लोधी चौक पर हूं। गुंडों ने हमें घेर लिया है...

...रेणु अभी उनको रोके हुए है।

लेकिन वह भी ज्यादा देर तक इनको रोक नहीं... आह...
... और फिर तेरे कैप्टेन सुपर कमांडो ध्रुव को!
आह!
... आज तेरी कहानी खत्म होकर रहेगी। पहले हम कमांडो फोर्स को खत्म करेंगे...
कमांडो फोर्स को तुम जैसे नाली के कीड़े कभी चाट नहीं सकते।
तड़ाक
अब मैं पहले तेरी खोपड़ी को फाड़ूंगा, छोकरी!
और फिर तेरे दोस्त की खोपड़िया उड़ाऊंगा।
लगा खोपड़ी का निशाना, उस्ताद!
ट्रिगर पर उंगली दबने को बेताब हुई—
और बेताब ही रह गई—

घटनास्थल पर आ चुका था...
सुपर कमांडो ध्रुव ! आह!
कैप्टेन!
अपने कैप्टेन की उपस्थिति ने, कमांडो रेणु की रगों में दौड़ते खून को एक बार फिर खौला दिया—
तड़ तड़
और फिर लड़ाई खत्म होने में...
तड़ाक
...ज्यादा देर नहीं लगी—
धड़
ओह! पीटर को गोली लग गई है!
यहां पर क्या हो रहा था रेणु?

मैं और पीटर 'कमांडो वैन' में इस इलाके में गश्त लगा रहे थे। तभी हमने इन गुंडों को खुलेआम हथियार लेकर घूमते देखा!
आश्चर्य की बात तो ये थी कि आमतौर से गश्ती पुलिस से भरे हुए इस इलाके में एक भी पुलिस वाला नजर नहीं आ रहा था।
और ये बात शायद इन गुंडों को भी पता थी। क्योंकि इनके हौसले काफी बुलन्द थे।
हमारे ललकारते ही इन लोगों ने हम पर गोलियां चलानी शुरू कर दीं।
पीटर ने आगे बढ़कर इनका सामना किया। दो गुंडों को गिरा भी दिया! पर एक गोली उसकी बांह में आ लगी।
तब मैंने गुंडों का सामना किया। और पीटर ने कमांडो हैडक्वार्टर से संपर्क किया!
आगे की कहानी तो तुम जानते ही हो!
कमाल है। इस इलाके के सारे पुलिस वाले कहां चले गए?
चलो! गुंडों और पीटर को वैन में लादो! पहले गुंडों को पुलिस स्टेशन छोड़ेंगे, फिर पीटर का इलाज कराएंगे।
कमांडो हैडक्वार्टर पहुंचने पर ध्रुव को एक और झटका देने वाली खबर मिली—
क्या?
हां, ध्रुव! हमारे ट्रांसमीटर पर कई लूटपाट की रिपोर्ट आ चुकी हैं।
इस पूरे इलाके में एक भी पुलिस वाला नहीं है।
तो आखिर ये सब पुलिस वाले गए कहां?
जवाब आई० जी० राजन के पास था—
वे जवान, सर्कस के सुरक्षा व्यवस्था के लिए तैनात कर दिए गए हैं। सर्कस को सुरक्षा की ज्यादा जरूरत है।
कमाल है। ये ऑर्डर किसने दिया, पापा?
मैंने!

आपने?
आपने ऐसा आदेश क्यों दिया? पुलिस न होने से जनता की सुरक्षा खतरे में पड़ गई है। उनको पुलिस की ज्यादा जरूरत है।
मुझसे बहस मत करो, ध्रुव! मैं जहां पर चाहूंगा, पुलिस वहीं पर तैनात होगी।
अब जाओ, जाकर अपना काम करो!
पापा को क्या हो गया, श्वेता? ये तो ऐसे कभी नहीं बोलते थे।
पता नहीं! मरकरी सर्कस से लौटने के बाद पापा का व्यवहार बदल गया है।
मरकरी सर्कस!
नताशा का व्यवहार भी ऐसे ही बदल गया था! पर क्यों? सर्कस जाकर इनके दिमाग को क्या हो ...?
... दिमाग! उस पागल शेर बबर का दिमाग भी किसी के कब्जे में था।
?
कहीं ऐसा तो नहीं कि सर्कस में कोई, सर्कस जाने वाले के दिमागों को कब्जे में कर लेता हो!
बात सोचने में तो अजीबो-गरीब लगती है। पर सारे तथ्य इसी तरफ इशारा कर रहे हैं।
मुझे मरकरी सर्कस के अंदर घुसने का रास्ता ढूंढ़ना ही पड़ेगा।
ध्रुव की तमन्ना अपने-आप ही पूरी होने वाली थी—
तुम निकम्मे हो, आयप्पा! नाकारा! बेकार!
सर्कस को देखने बहुत कम लोग आए थे। ऐसे तो मेरी योजना पूरी होने में बरसों लग जाएंगे!
इसमें मेरी गलती क्या है? सर्कस देखने में अब किसी को दिलचस्पी है ही नहीं!
लोग पुरानी चीजें देख-देखकर ऊब गए हैं।

अब वे सिर्फ तभी सर्कस देखने आएंगे, जब उनको रोंगटे खड़े कर देने वाले खतरनाक खेल देखने को मिलें।
और हमारे सर्कस के कलाकार वे खेल नहीं दिखा सकते।
तो ऐसे कलाकार ढूंढो। उनको लाओ। कहां मिलेंगे ऐसे कलाकार?
कई कलाकार नहीं, सिर्फ एक कलाकार। सिर्फ एक ही कलाकार ये सारे खेल कर सकता है। और वह इसी शहर में रहता है।
मैं तुम्हारे दिमाग में उसका नाम पढ़ रहा हूं। सुपर कमांडो ध्रुव!
यह वही लड़का है न, जिसने बबर को पकड़ा था?
हां!
तो जाओ!
और उसको किसी भी कीमत पर ये शो करने को राजी करो
जाओ!
ध्रुव तो पहले से ही ये मौका ढूंढ रहा था–
सर्कस एक कला है। और यह कला मर रही है। अगर कोई बचा सकता है तो सिर्फ तुम!
ठीक है। आयप्पा साहब, मैं शो करने को तैयार हूं।
यह काम तो बड़ी आसानी से हो गया। इसने तो पैसे तक की बात नहीं की।
अब मैं जान सकूंगा कि मरकरी सर्कस के अंदर क्या गड़बड़ चल रही है।
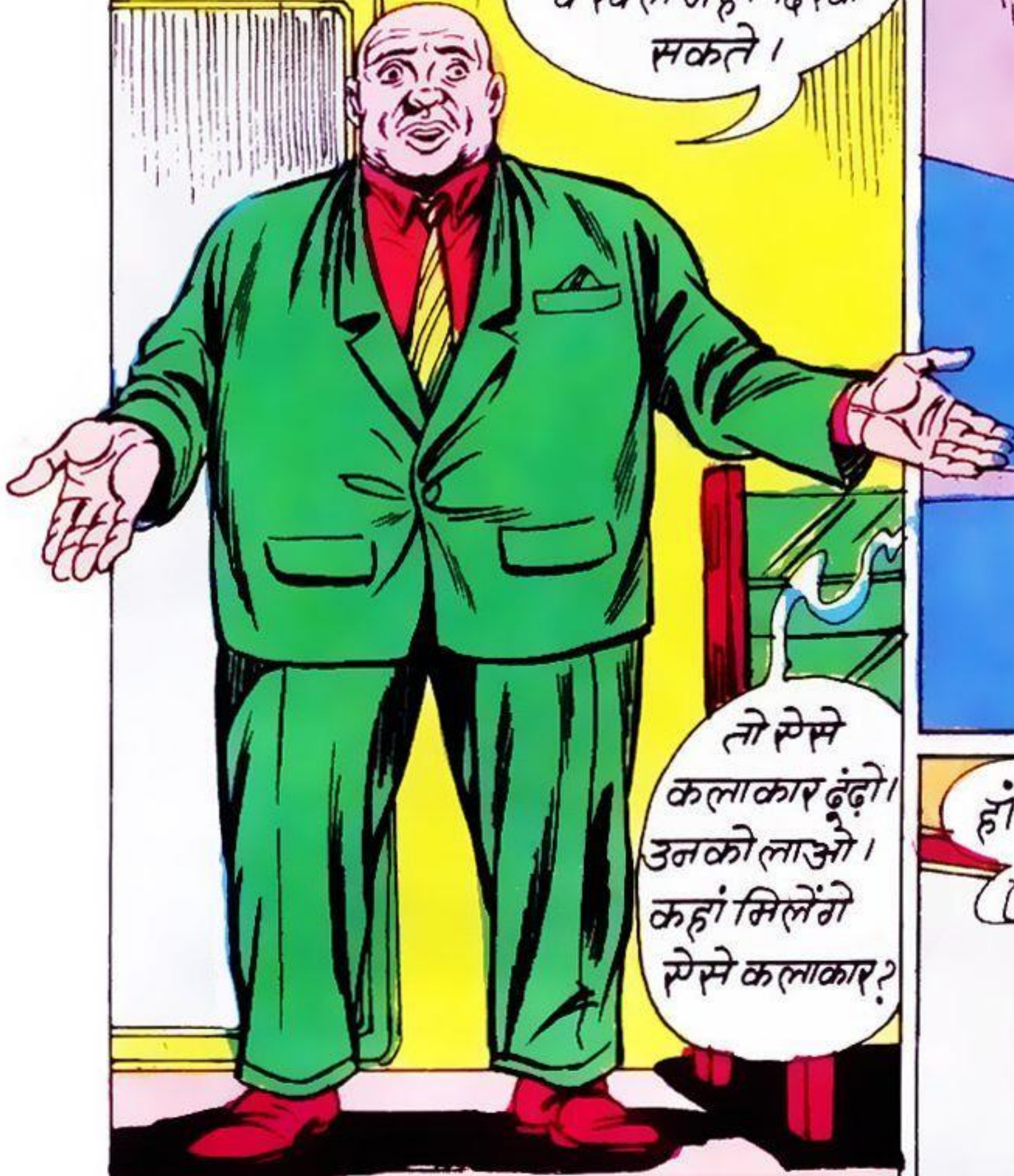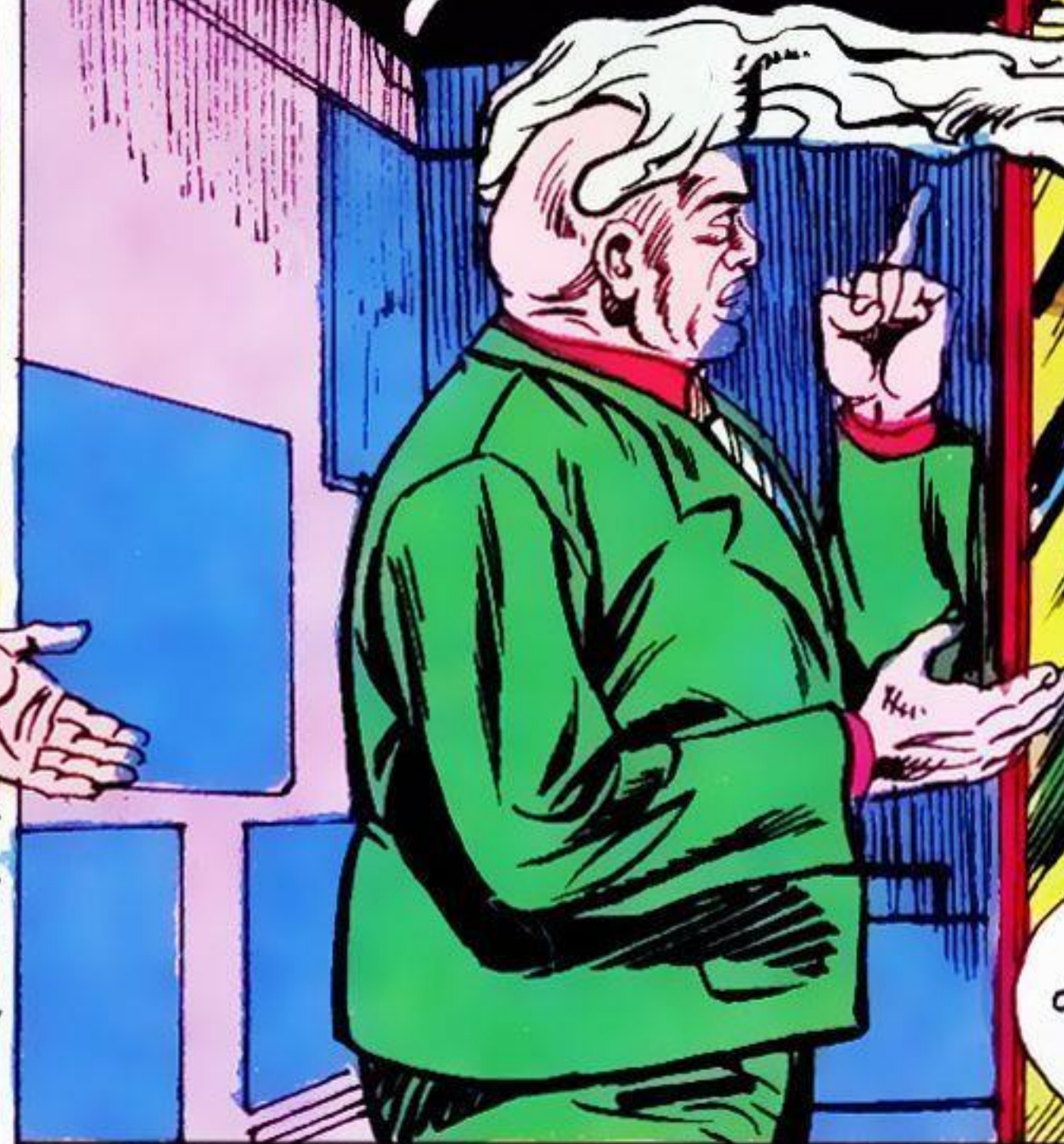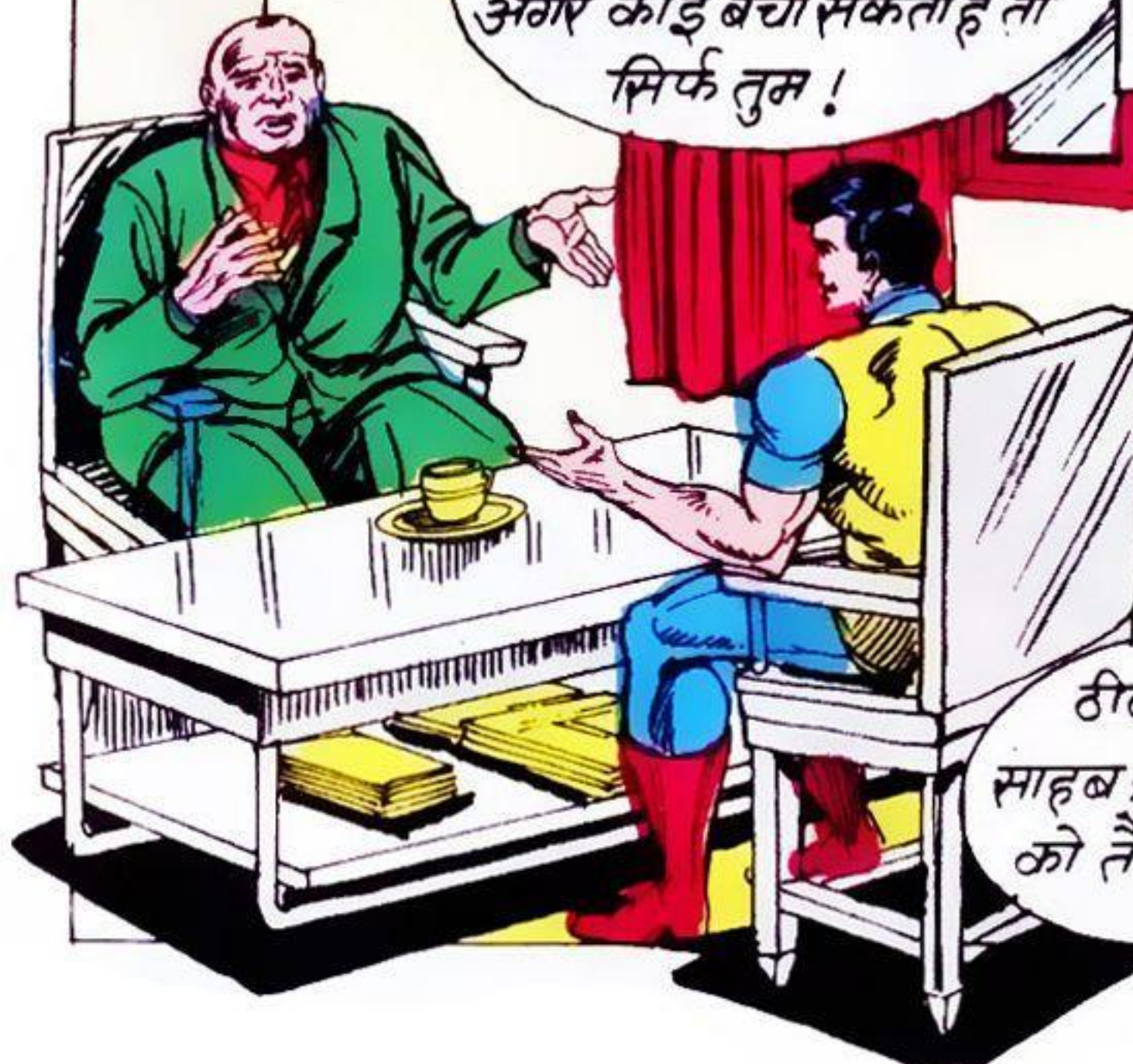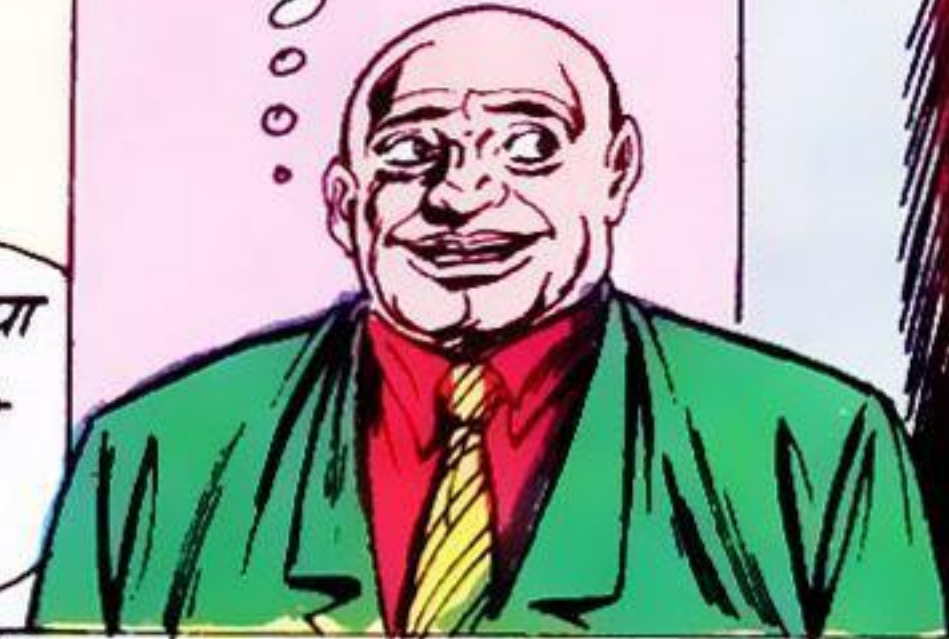
रातों-रात पोस्टर छपे—
और सुबह-सुबह शहर की दीवारों पर चिपक गए—
मरकरी सर्कस में आज रात से जबरदस्त हंगामा
सुपर कमांडो ध्रुव का शो....
टिकट 2 5 20 50
वाऊ! सुपर कमांडो ध्रुव का शो!
ध्रुव शो देगा।
मैं तो आज ही अपने पूरे घर को लेकर जाऊंगा।
उस रात सर्कस का तंबू, खचाखच भरा था—
और इससे कहीं ज्यादा भीड़ सर्कस के तंबू के बाहर थी—
लेडीज एंड जेंटिलमेन! और हमारे प्यारे-प्यारे नन्हे दोस्तो!
आज मरकरी सर्कस आपके चहेते सुपर कमांडो ध्रुव के करतबों से जगमगाएगा।
लेकिन सुपर कमांडो ध्रुव के कारनामों से पहले हम पेश करते हैं, इस दुनिया का एक और अजूबा...
... सुपर मेंटलिस्ट यानी आश्चर्यजनक मानसिक शक्तियों के धारक...
यूरी शेलर को...
आप लोगों में से जो भी चाहे, यूरी की मानसिक शक्तियों का इम्तिहान ले सकता है।
यूरी शेलर के मानसिक करतबों के दौरान सबकी आंखें फटी रहीं, और सबके मुंह खुले के खुले रहे—
मैं किसी के भी दिमाग को कब्जे में ले सकता हूं...
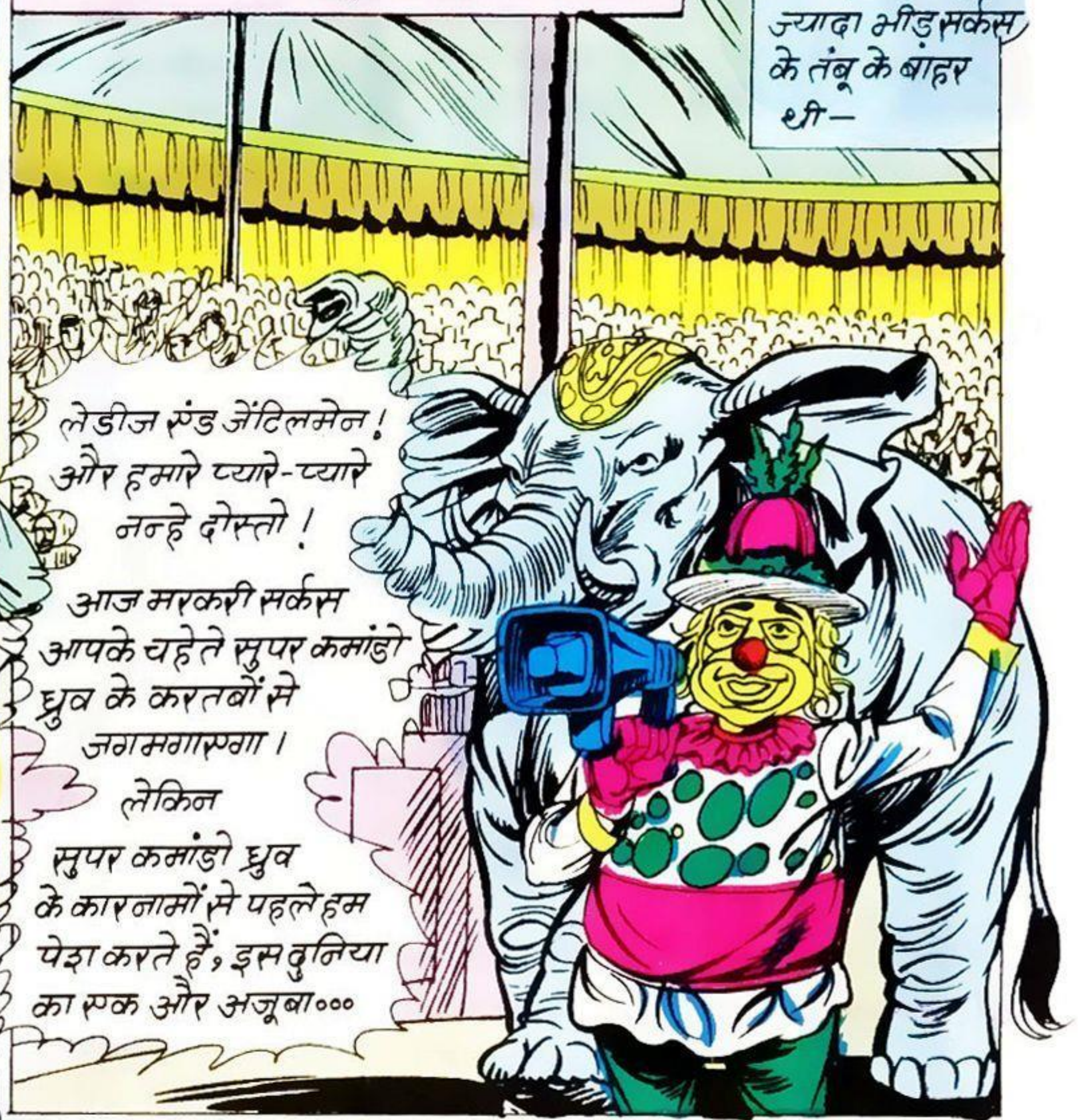
और अब समय था - एक सुपर स्टार को पेश करने का —
लेडीज, जेंटिलमेन... और स्वीट-स्वीट, कुचि-कुचि नन्हे दोस्तो...
अब आपके सामने आ रहे हैं... आपके चहेते... आज शाम के सुपर कलाकार...
... सुपर कमांडो ध्रुव !
तालियों की गड़गड़ाहट और...
दर्शकों के शोर से, सर्कस का पूरा पंडाल हिलने लगा —
लेकिन ध्रुव का दिमाग कहीं और था —
वह यूरी शेलर ! सर्कस का मेंटलिस्ट। उसके पास वे सारी शक्तियां हैं...
... जो यह इशारा करती हैं कि वह अपराधी हो सकता है...
... मुझे उसकी छान-बीन करनी पड़ेगी।
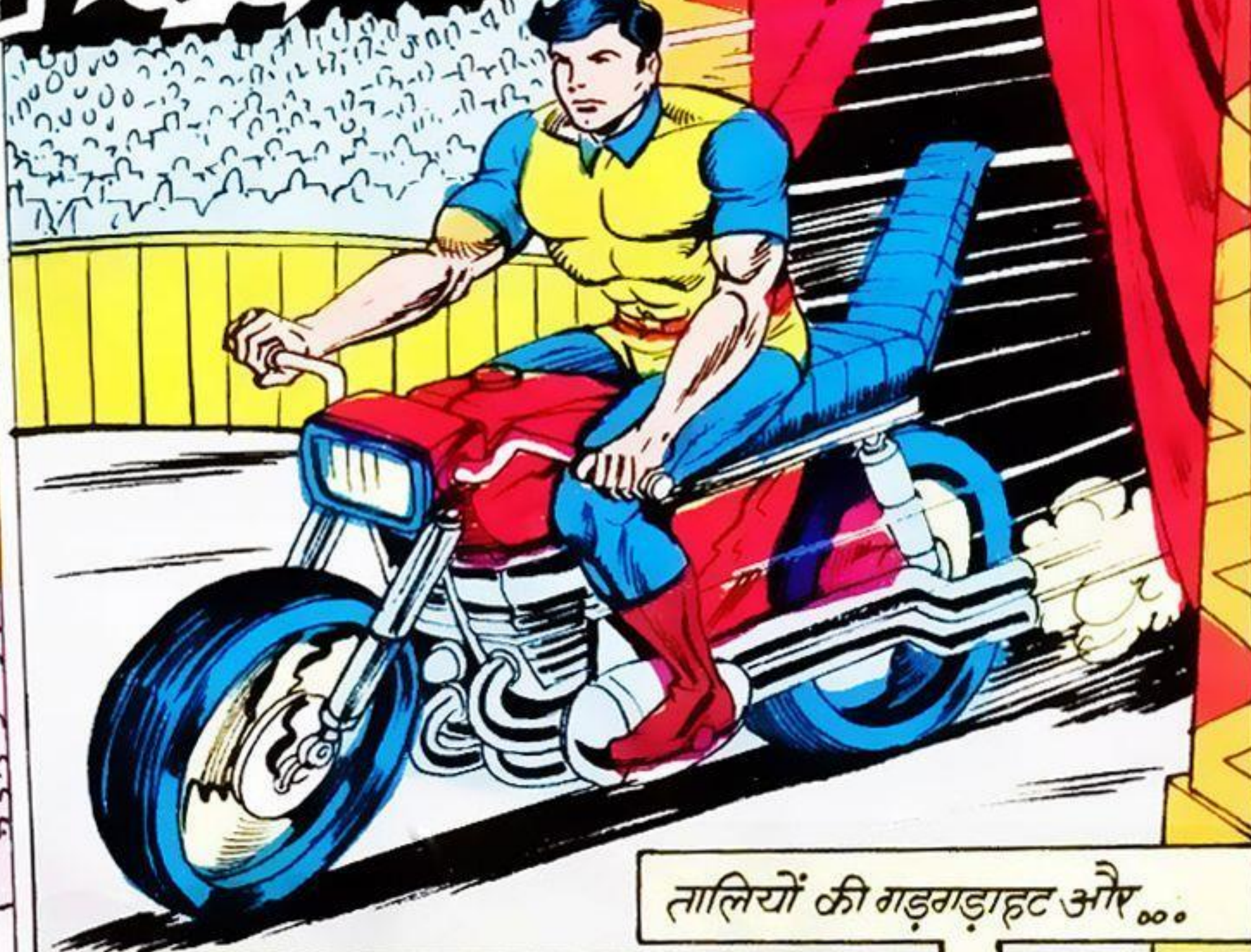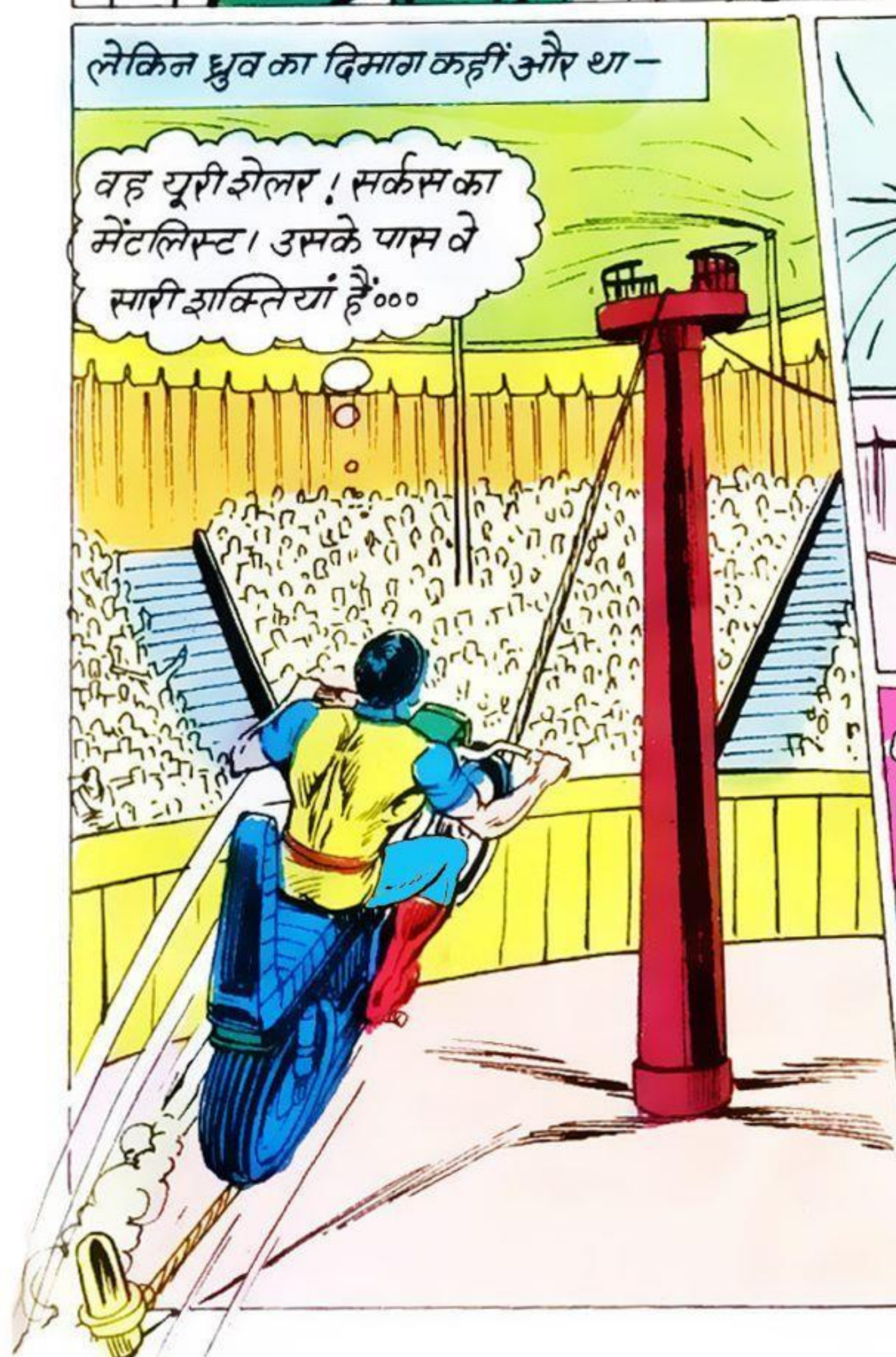
... अपनी इस डेयरिंग एंट्री के बाद, सुपर कमांडो ध्रुव अब आपको दिखाएंगे, झूले पर मौत को चुनौती देने वाली कलाबाजियां...
... फर्क सिर्फ इतना है कि झूले की जगह होंगे सिर्फ दो रिंग...
... और नीचे जाल की जगह होगी... सिर्फ हवा और सख्त फर्श!
मैं तो ये करतब दिखा लूंगा, पर इस खेल में एक पार्टनर की भी जरूरत होती है।
मेरे साथ ये खतरनाक खेल और कौन दिखाएगा?
ये! मैडम रिचा!
हैलो, ध्रुव!
अरे, तुम तो वही हो, जिसने पागल शेर का सामना किया था।
हां, ध्रुव! उस वक्त मैं सर्कस में नौकरी ढूंढ़ने के लिए जा रही थी।
मेरे पास वक्त नहीं था, वर्ना मैं रुककर तुम्हारी मदद जरूर करती।
शो शुरू हुआ–
और दर्शकों के साथ-साथ, ध्रुव भी आश्चर्यचकित हो गया–
कमाल है। यह लड़की तो जबरदस्त कलाबाज है।

अन्दर- जनता, ध्रुव और रिचा के दिल दहलाने वाले करतबों को सांस रोककर देख रही थी-
और सर्कस के तंबू के ऊपर-
जब तक यह ध्रुव, शो देता रहेगा, तब तक भीड़, सर्कस देखने आती रहेगी।
इसलिए ध्रुव को मेरे रास्ते से हटना ही होगा।
हाथों के एक झटके ने, रिंग को थामने वाले बंधन खोल दिए-
और अंदर-
टक
ध्रुव!
ध्रुव का शरीर, हवा को चीरता हुआ, पथरीली जमीन की तरफ बढ़ने लगा-
अगले ही पल- रिचा का भी बदन, हवा में घूमता हुआ स्टैंड पर आ टिका-
और स्टैंड से लटकी रस्सी की सीढ़ी, ध्रुव की तरफ झूल गई-
ध्रुव ने, मौत को एक फुट से मात दे दी थी-
उफ़! रिचा ने बाल-बाल बचा लिया।
खांप
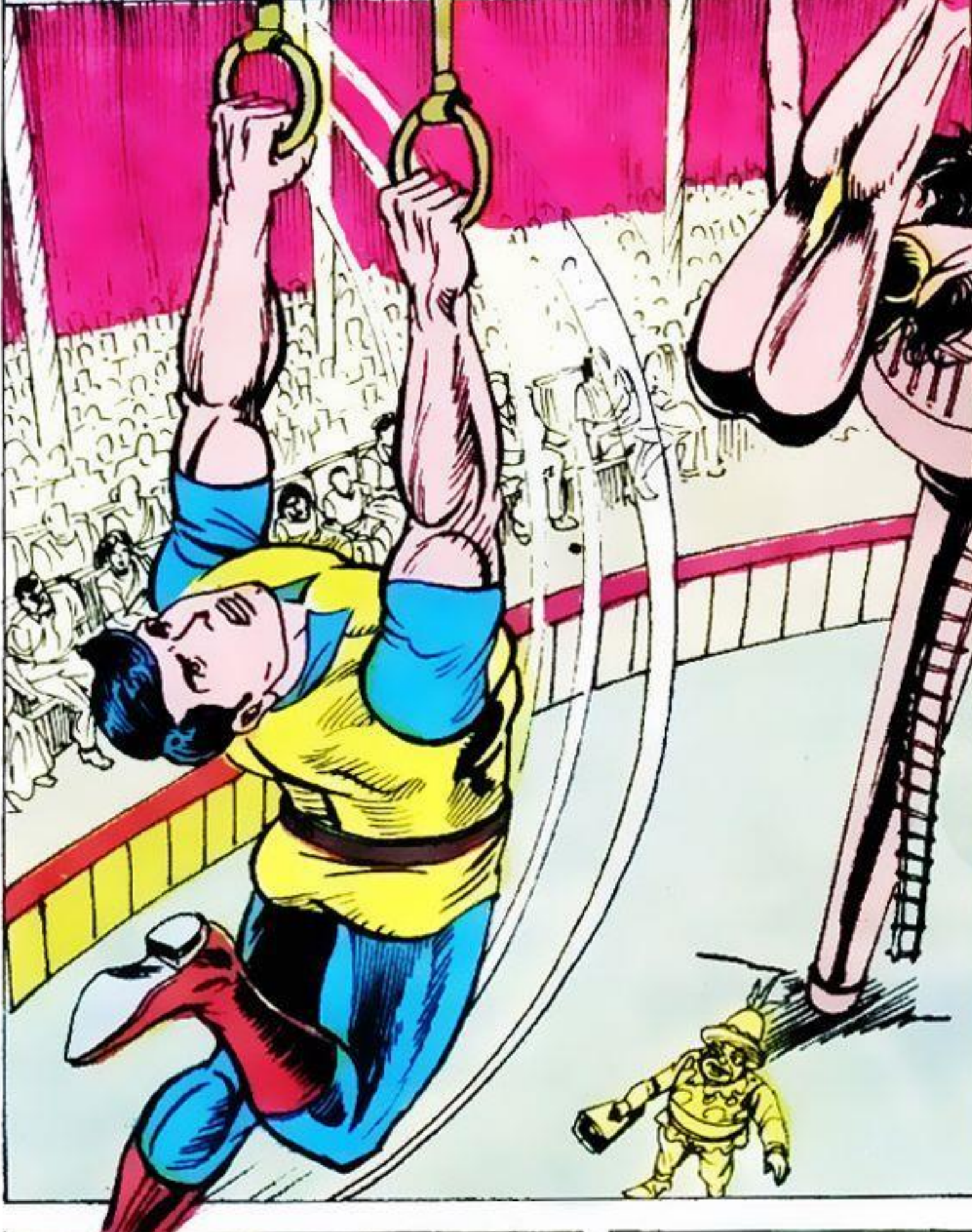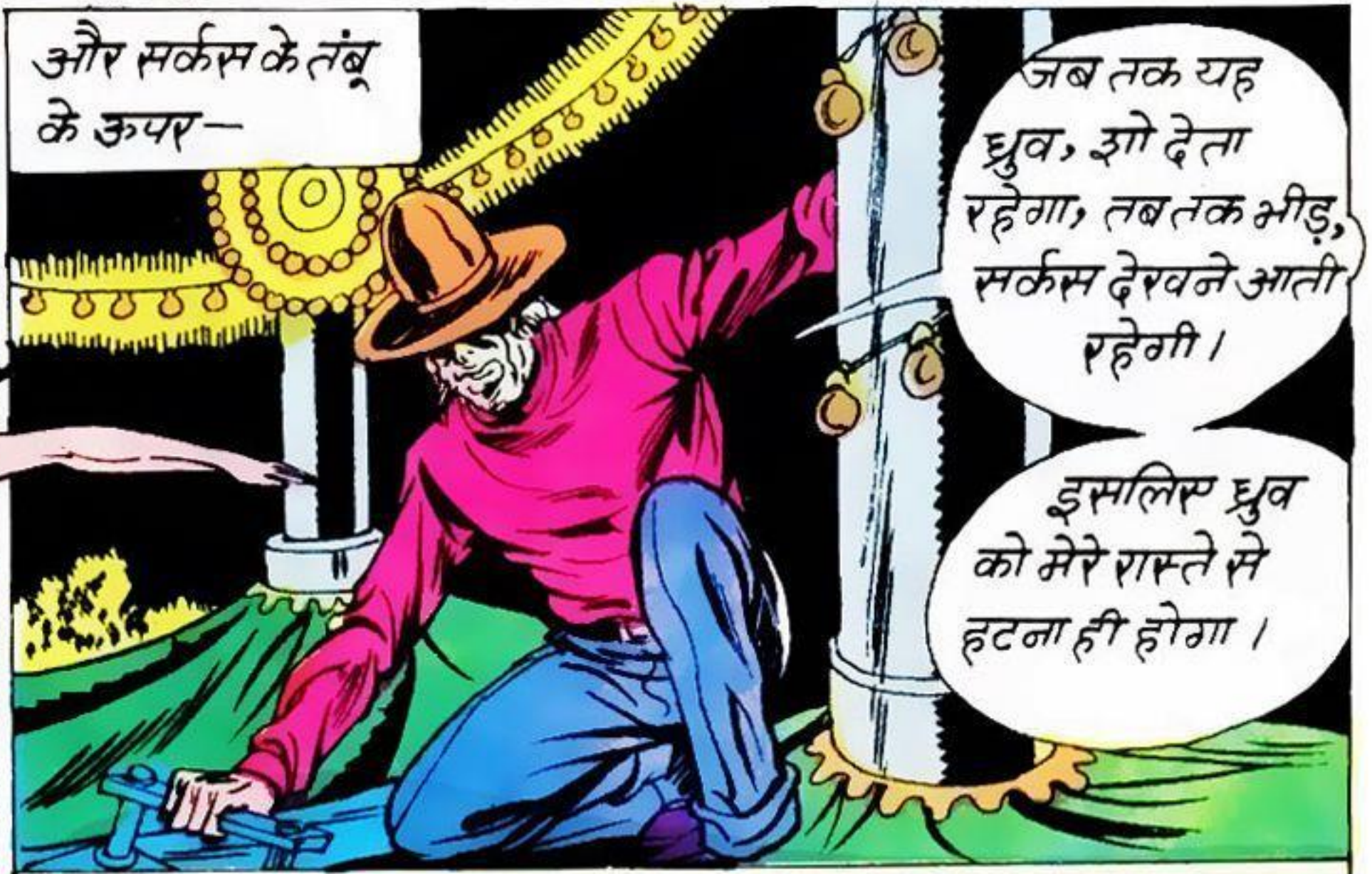
ध्रुव को भरोसा नहीं था, कि रिंग का टूटना एक दुर्घटना थी—

ये रहा वह रिंग! मुझे पता था कि यह टूटकर स्टैंड पर ही गिरा है।

और इसको लटकाने वाला होल्डर टूटा नहीं है, बल्कि खोला गया है!
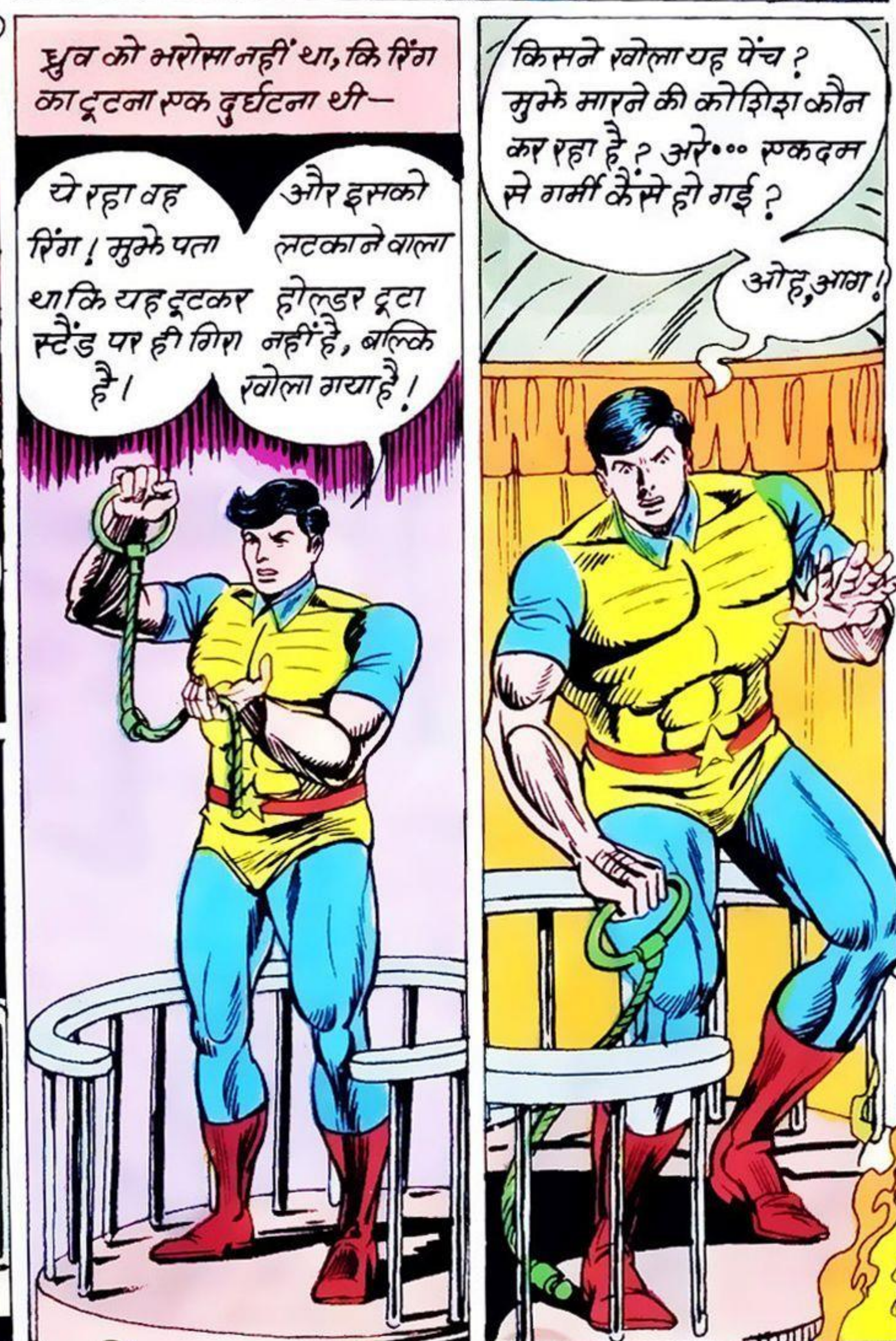
हां, आग, सुपर कमांडो ध्रुव! तू रिंग के टूटने से तो बच गया...
... पर इस आग से नहीं बच पाएगा!
ओह! तो इसने ढीले किए थे रिंग, पर क्यों? ये है कौन?
हा हा हा! अब तू अपनी चिता का नजारा देखता रह। मैं तो चला!
उस रहस्यमय बूढ़े ने भागने को कदम बढ़ाए—
लेकिन भाग नहीं सका—
ब्लैककैट!
ये सही कह रहा है। रिंग टूट चुका है। मैं भूलकर भी भाग नहीं सकता।
और न ही कूदकर या उतरकर बच सकता हूं...।
हां, ध्रुव! मैं! पहले इस बूढ़े से निपट लूं। दो-तीन सेकेण्ड लगेंगे!
उसके बाद मैं तुमको उतारने का इंतजाम करती हूं।
पहले मैं रिचा के रूप में तुम्हारे साथ थी, अब ब्लैक कैट के रूप में हूं।
लेकिन ब्लैक कैट को वह मौका नहीं मिला—
जंबो!
ओह! इसके आवाज लगाते ही वह हाथी तेजी से मेरी तरफ बढ़ रहा है। और हाथी से भागकर बच पाना असंभव होता है।

कुछ समझ पाने के पहले ही, ब्लैककैट, सूंड के शिकंजे में थी-
चियांईई!
ध्रुव, हाथी की भाषा में चिंघाड़ उठा-
चियायांयांऊं। यां यां य ई!
ओह! इस हाथी पर तो मेरी बात का कुछ असर ही नहीं हो रहा है। यह हाथी या तो किसी और के वश में है, या फिर इसके सुनने की शक्ति कमजोर है।
वह बूढ़ा भी भाग रहा है। अब न तो मैं ब्लैककैट को बचा सकता हूं, और न ही खुद बच सकता हूं।
और दूसरी तरफ शहर में-
यही ऑफिस है, उस मनोवैज्ञानिक प्रोफेसर वर्मा का। इसी के अंदर वह यंत्र रखा होना चाहिए।
पर दरवाजे पर तो बड़ा मजबूत ताला लगा है।
ताले को खोलना तो मैं नहीं जानता!
लेकिन दरवाजा खोलना मुझे आता है।
स्ट्रांगमैन एटलस के एक ही वार ने दरवाजे के परखच्चे उड़ा दिए-
धड़
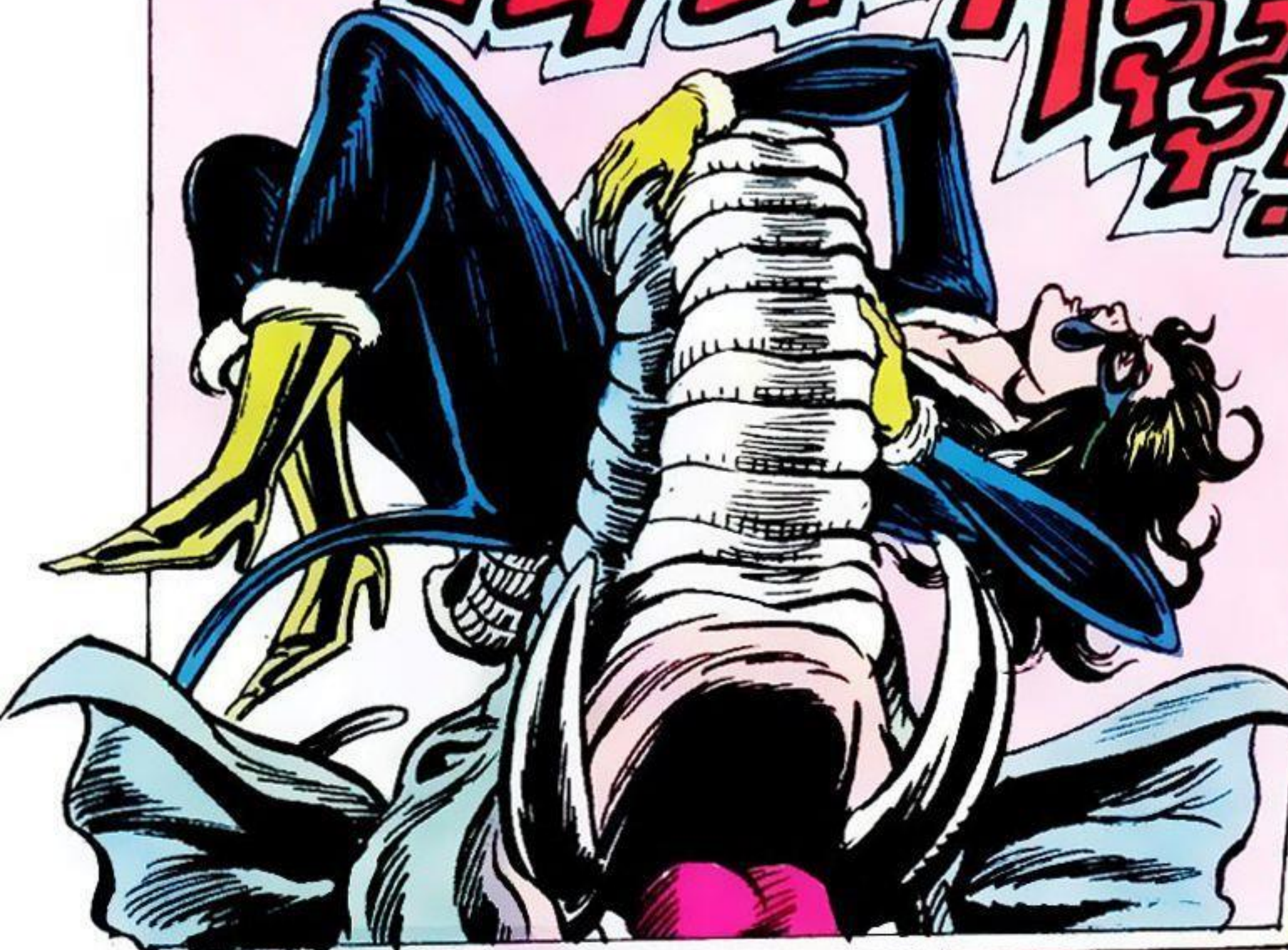
अब देखो कि वह यंत्र कहां पर रखा है ?
यह रहा वह यंत्र ! बड़े आराम से काम हो गया अपना । वाह !
अब निकल लो यहां से !
अब तुम दोनों स्ट्रेचर पर ही...
... यहां से बाहर निकलोगे !
ये यंत्र हमको देकर, हमारे रास्ते से हट जा छोकरी, वर्ना मुफ्त में मारी जाएगी !
मुफ्त में चंडिका सिर्फ एक काम करती है...

और यह है पिटाई!
अब बोलो! हो तो तुम सर्कस से भागे हुए जोकर। पर यहां क्या करने आए थे?
घाड़
बोलो!
ध्रुव की पागल शेर से इसी जगह पर लड़ाई हुई थी, इसी लिए मैंने इस जगह पर नजर रखने की सोची थी।
और मेरा शक ठीक निकला। यह जगह ही झगड़े की जड़ है।
तड़ाक
अब मुझे असली बात का पता...
आह!
एटलस के घूंसों ने चंडिका के दिमाग का हर एक कोना हिला दिया—
घाड़
घाड़
अब मैं तेरी खोपड़ी का निशाना लगाऊंगा...
...दोनों आंखों के बीचोबीच।
असहाय चंडिका के माथे की तरफ रिवॉल्वर तन चुकी थी—
और ट्रिगर धीरे-धीरे दब रहा था—

उधर- मरकरी सर्कस के अंदर—
एक रास्ता समझ में आता है! अगर वह काम कर गया तो हम दोनों ही मौत के मुंह से निकल आएंगे।
ब्लैककैट! मैं जो कुछ भी बोलूं, उसको वैसे का वैसा दोहरा देना। चियांयांयांऊ! यांयांयांई।
चियांयांयांऊ! यांयां यांई।
हाथी, ध्रुव का आदेश समझ गया—
हाथी की सूंड खुल गई। और ब्लैक कैट आजाद हो गई—
तो मेरा सोचना सही निकला। इस हाथी के कान कमजोर हैं।
मेरी आवाज इस तक नहीं पहुंच रही थी।
अगले ही पल ध्रुव के मुंह से फिर एक चिंघाड़ निकली—
यांयांयां। घररर।
यांयां यां घररर।
और ब्लैककैट ने वैसे का वैसा दोहरा दिया—
पलक झपकते हाथी की मजबूत सूंड हवा में तन गई—
चिंयां ऽऽं
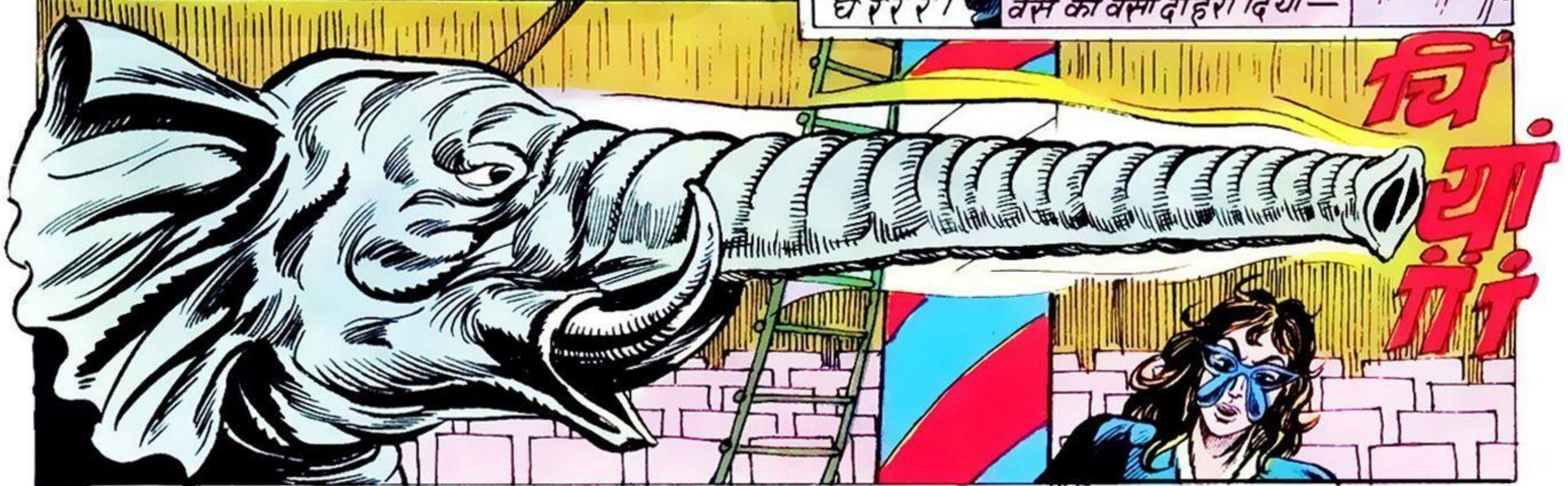
और साथ ही साथ ध्रुव का बदन भी पच्चीस फुट की ऊंचाई से कूद कर हवा में तैर गया—
और कुछ सेकेण्ड बाद—
धांय
ध्रुव सुरक्षित जमीन पर था—
वह बूढ़ा कौन था, ध्रुव? तुमको मारना क्यों चाहता था?
यह मुझे नहीं पता, पर मैं यह अंदाजा लगा सकता हूं कि इस घटना के पीछे किस आदमी का हाथ है!
लेकिन तुम यहां पर कैसे आ गईं? और वह भी ऐन वक्त पर!
यह जान लोगे तो सारा सस्पेंस खत्म हो जाएगा। ब्लैककैट के राज, ब्लैककैट के पास ही रहने दो ध्रुव!

अचानक-
ध्रुव! आग अपने आप बुझ रही है! पर कैसे?
मेरे ख्याल से यह मानसिक शक्ति का कमाल है। आओ मेरे साथ!
उसी वक्त- उस रहस्यमय 'ट्रॉलर-केबिन' में-
उस स्टैण्ड में आग किसने लगाई, यह तो मुझे पता नहीं चला ०००
००० क्योंकि आग का आभास मुझे थोड़ी देर बाद हुआ। वह आग मैंने बुझादी है।
पर अब ध्रुव कहां जा रहा है, यह मुझे पता है।
यह शख्स ध्रुव खतरनाक होता जा रहा है। इसकी मौत का इंतजाम करना होगा।
अब इसको मौत वहीं पर मिलेगी, जहां पर यह जा रहा है।
ध्रुव जिससे टकराने जा रहा है, उसको मैं ऐसी शक्तियां दे दूंगा, जो ध्रुव की मौत का कारण बनेंगी।
और मनोवैज्ञानिक प्रोफेसर वर्मा के ऑफिस में-
उंगली का एक हल्का सा झटका, और००० और दम बाहर।
और००० और वह दम०००

आह! यह बेहोश होने की एक्टिंग कर रही थी।
... तुम्हारा होगा।
तड़.
हां! इस गुरिल्ले के घूंसे ने मुझे गुदगुदी लगा दी थी। वही हंसी को रोकने में मुझे थोड़ा समय लग गया।
आह! मेरी पिस्तौल!
धाड़.
मैं कोई कपड़े का थान नहीं हूं भाई साहब...
गुरिल्ला! मुझे गुरिल्ला कहते हैं। मैं तुझे दोनों हाथों से चीर डालूंगा।
... जो दोनों हाथों से चिर जाऊं।
ईं या या या या याऊ!
कड़ाक
देखा! तुम चिल्लाते भी गुरिल्ले जैसा हो!
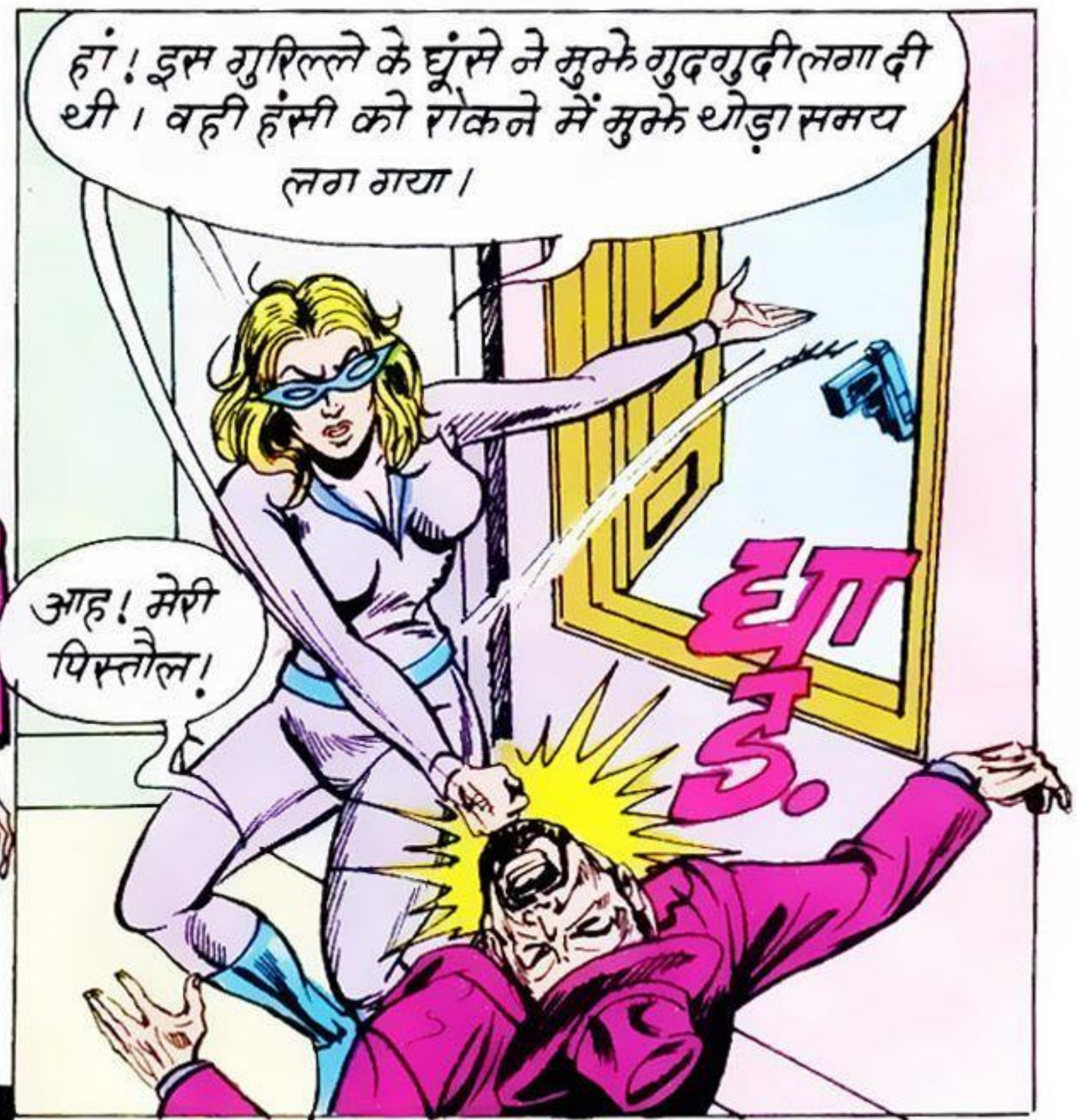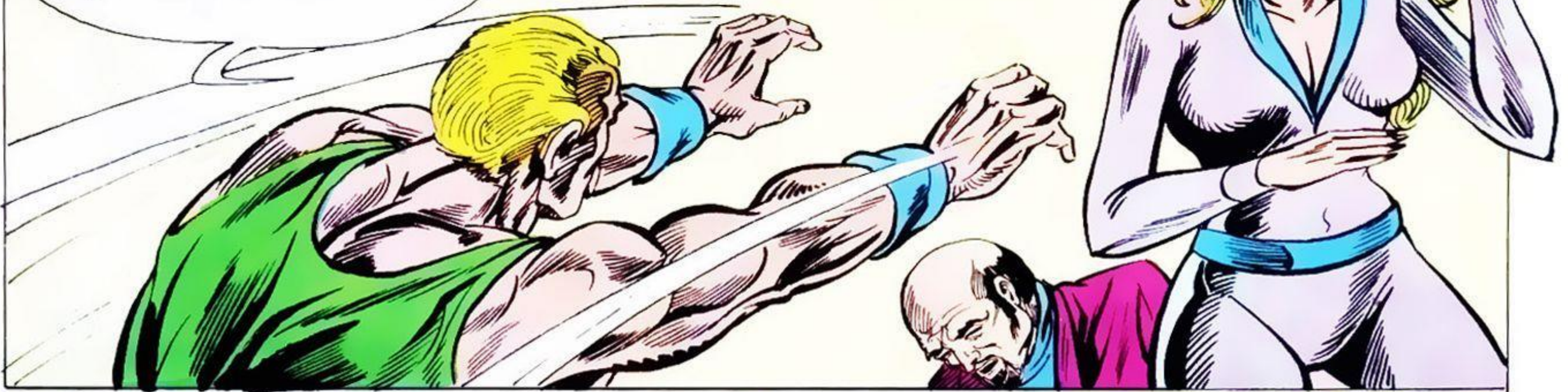
तू एक बार चुपचाप खड़ी होकर मेरा घूंसा खा ले, फिर तुझे अपने-आप पता चल जाएगा कि मैं कौन हूं।
कड़ंड़.
आपका घूंसा बहुत बड़ा है, खाया नहीं जाएगा...
...वैसे भी मेरा पेट भरा हुआ है!
ईयाऊ
एटलस, मैंने यंत्र को उठा लिया है। अब खामख्वाह लड़ते रहने का कोई फायदा नहीं है...
...भाग ले यहां से!
अभी लो! पर पहले इसको अपना पीछा करने से रोक तो दूं।
धड़ाक
चंडिका को बचने में जो कुछ मिनटों का समय लगा...
...उसी में लुई और एटलस वहां से बच निकलने में कामयाब हो गए—
वह मानसिक यंत्र कहां है?
उसे मैंने डिक्की में रखे बोरे में डाल दिया है। उसने, उसे चुपचाप छिपाकर लाने को कहा था!

और- मरकरी सर्कस में—
सुपर कमांडो ध्रुव ! तुम यहां पर कैसे ? और वह भी रात के इस वक्त ?
तुमसे पूछने आया हूं, कि सर्कस में क्या चक्कर चला रखा है तुमने ?
लोगों के दिमाग को वश में करके कौन सा षड्यंत्र रच रहे हो तुम ?
षड्यंत्र ? कैसा षड्यंत्र ? मैं कुछ नहीं कर रहा ?
तुमको कुछ गलत फहमी...
आर्र्र्र्र्रघ!
वहां से कुछ ही दूरी पर— वह 'ट्रॉलर-केबिन' ठहाके से गूंज रहा था—
हा हा हा ! मैंने यूरी का दिमाग अपने वश में करके उसको वे अद्भुत मानसिक शक्तियां दे दी हैं, जो ध्रुव की मौत का कारण बनेंगी।
और दूसरी तरफ—
अरे ! यूरी, यह तुमको क्या हो रहा है ?

यूरी शेलर की अद्भुत मानसिक शक्तियां, एक दूसरे रहस्यमय स्रोत से और शक्तियां मिलने के कारण विनाशकारी हो गई थीं।
यूरी? हां... हां... मेरा नाम यूरी शेलर है।
मेरी चिन्ता छोड़कर, अपनी चिन्ता कर, लड़के! देख कि तुझे क्या होने वाला है!
और उन रहस्यमय शक्तियों के सामने पड़ने वाले का एक ही हाल होना था—
तिनके की तरह उड़ जाना—

मानसिक धमाके का ज्यादा असर ध्रुव पर हुआ, क्योंकि वह वार, उसको ही निशाना बनाकर लगाया गया था—
ध्रुव! उठो, ध्रुव! अपने आप को संभालो!
आह! सिर घूम रहा है...
ओह! वह, ध्रुव पर दूसरा वार करने जा रहा है!
ध्रुव को खींचकर हटाने का वक्त नहीं है। अब ध्रुव को बचाने का एक ही रास्ता है। सिर्फ एक ही रास्ता।
अगले ही पल - ब्लैककैट का बदन उछलकर मानसिक वार और ध्रुव के बीच में आ गया—
आह
ब्लैक कैट!
मानसिक वार, ब्लैककैट ने अपने शरीर पर झेल लिया—
ओह! यह अचेत हो गई है। यूरी ड्रेलर काफी खतरनाक होता जा रहा है। इसको रोकना होगा।
जंबो, अटैक!
धूल उड़ाता जंबो, यूरी को रोकने के लिए आगे बढ़ा—
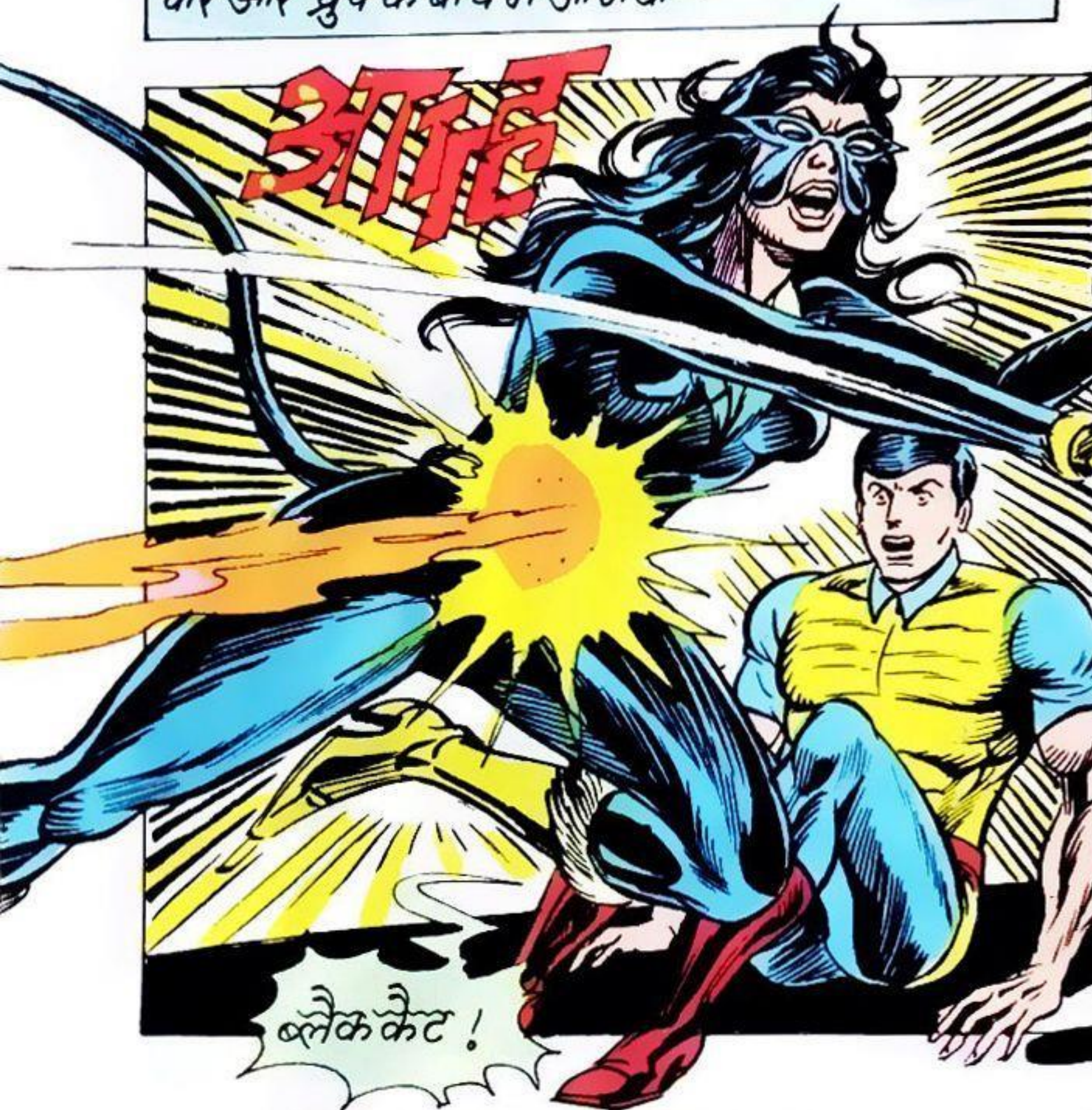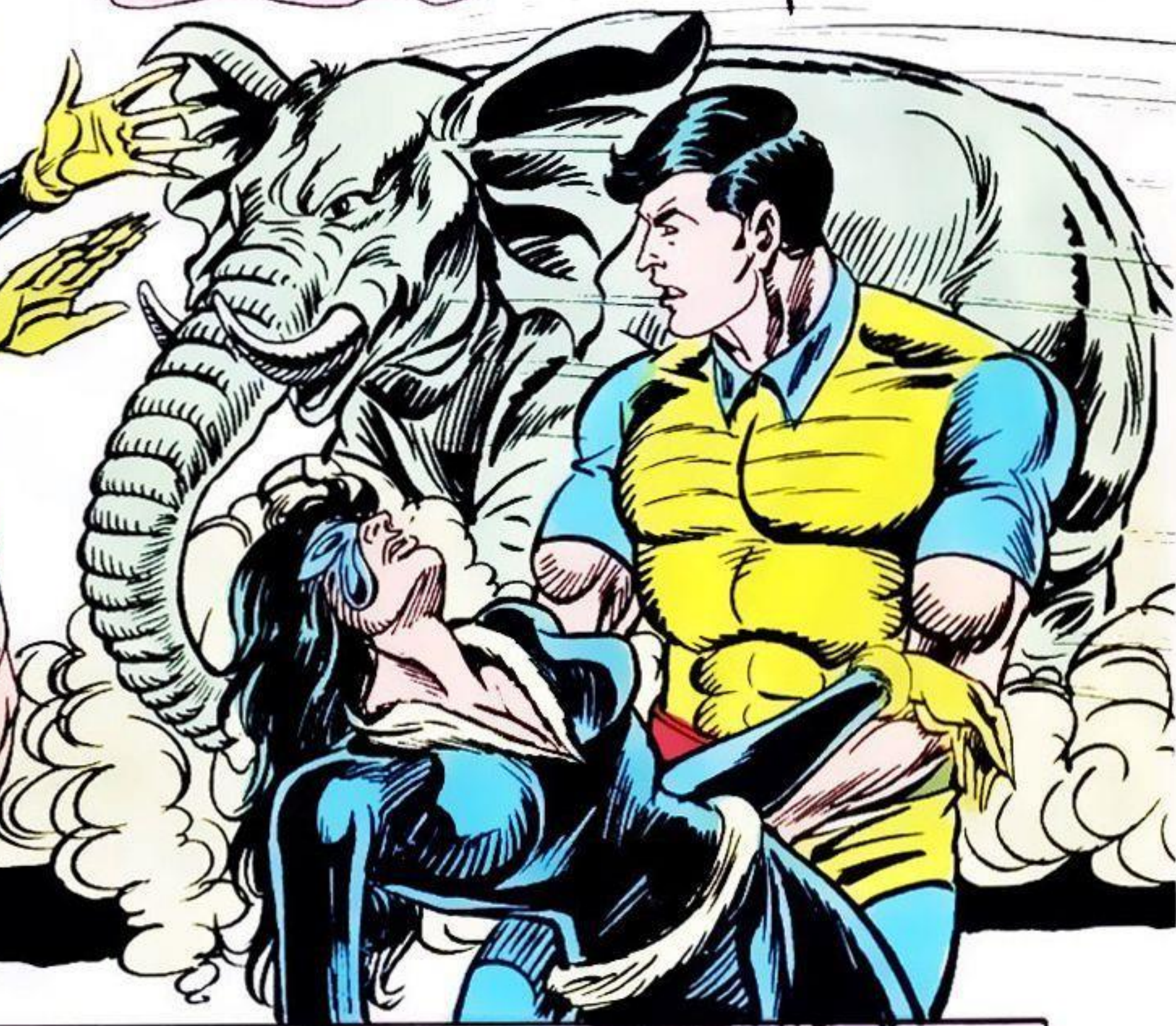
यूरी शेलर, अपनी तरफ बढ़ती मौत से, बचने के लिए हिला तक नहीं–
बल्कि उसकी मानसिक किरण ने जंबो को अपने घेरे में लेकर...
...जमीन पर पटक दिया–
वार जोरदार था–
धम्म
जंबो गिरते ही बेहोश हो गया–
और अब यूरी शेलर एक बार फिर, ध्रुव की तरफ मुड़ गया–
ओह! यह फिर से मुझ पर वार कर रहा है। मुझे इसको यहां से दूर ले जाना होगा।
वर्ना इसका कोई वार, बेहोश ब्लैक कैट को भी लग सकता है।
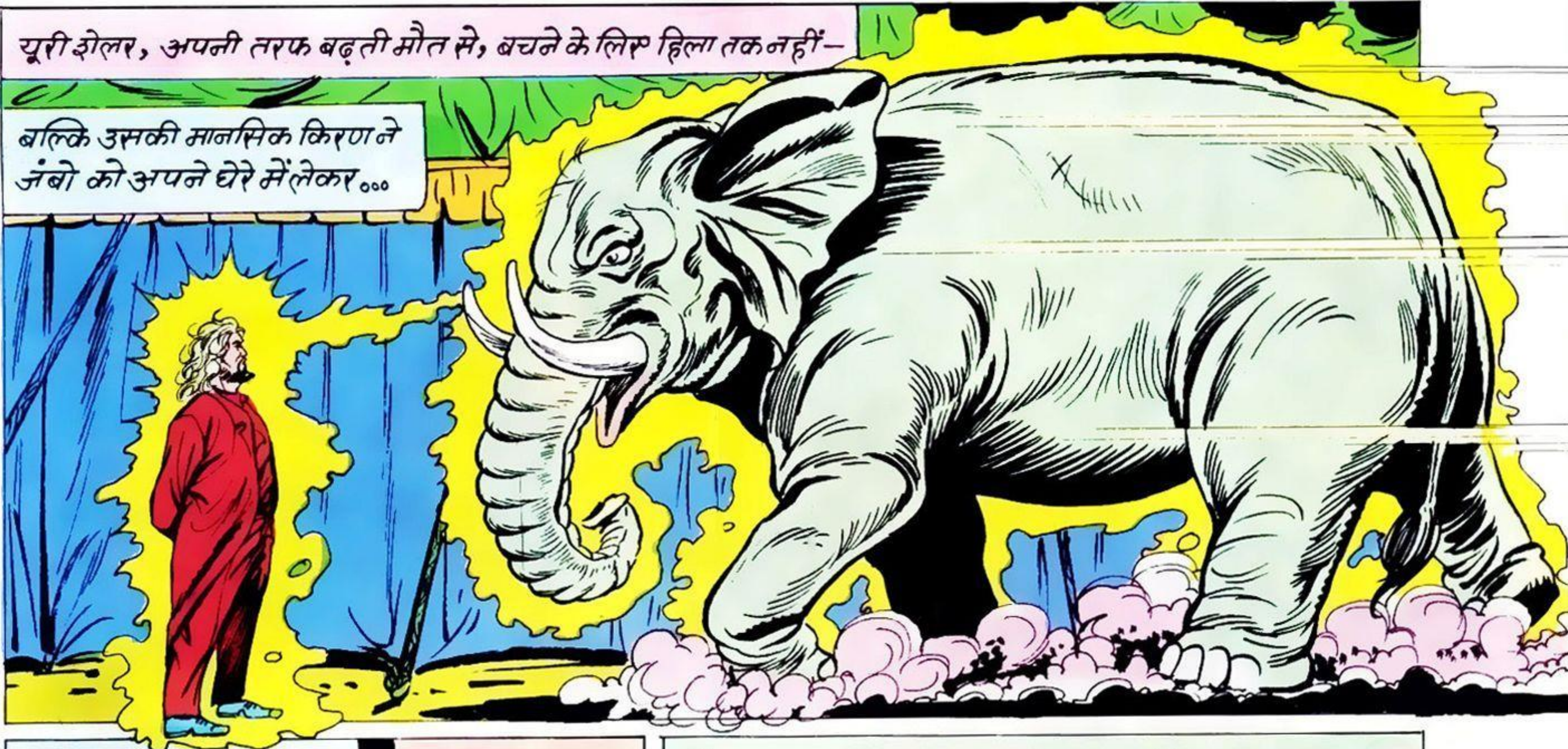
और इसी दौरान, मुझको इसे रोकने का रास्ता भी तलाश करना होगा!

कड़ाक

भाग लड़के! जितना भाग सकता है भाग।

मैं... मैं कौन हूं? हां मैं यूरी शेलर तेरे चिथड़े उड़ाकर ही दम लूंगा।

कुछ गड़बड़ है। इसको यह तक ठीक से याद नहीं है कि यह कौन है! इसमें ये आश्चर्यजनक शक्तियां भी एकाएक ही आई थीं।

कहीं ऐसा तो नहीं कि किसी ने इसके दिमाग को भी कब्जे में कर रखा हो!

अगर ऐसा है तो मैं इसके दिमाग को आजाद करा के...

एक मिनट! मेरे इस केबिन ट्रॉलर के सामने आते ही, इसने मानसिक वार करने बंद कर दिए हैं।

इसका एक ही मतलब हो सकता है, कि यह अपने मानसिक वारों से इस केबिन को तोड़ना नहीं चाहता!

मुझे देखना पड़ेगा, कि इस केबिन के अंदर क्या है?

लेकिन उससे पहले मुझको यूरी शेलर के दिमाग को आजाद कराना होगा!

और उसमें मेरी मदद करेगा ... ठिंगू मास्टर!

यूरी शेलर के 'मानसिक वारों' को छकाता हुआ ध्रुव, ठिंगू मास्टर के तंबू में घुसा—
और आश्चर्यचकित रह गया—
ध्रुव!
अरे! ये तो वही बूढ़ा है, जिसने मुझे मारने की कोशिश की थी।
ये तुम्हारे तंबू में कैसे, ठिंगू?
ये... ये तो...
खैर, यह मैं बाद में पूछूंगा। अभी वक्त नहीं है। फिलहाल तो मुझको तुमसे एक जरूरी चीज चाहिए।
और कुछ ही पलों बाद—
अच्छा! तो अब तू मुझ पर हमला करेगा? आ... आ... आजा।
हां, यूरी! मरना है तो क्यों न लड़कर मरा जाए।
ध्रुव ने अपना हाथ बढ़ाया—
और यूरी ने बिना कुछ सोचे-समझे, ध्रुव का बढ़ा हुआ हाथ पकड़ लिया—
यहीं पर यूरी वह गलती कर गया—

जो उसकी आखिरी गलती साबित हुई—
उसको एक तेज झटका लगा! झटका – जिसने उसके दिमाग को हिलाकर रख दिया—
और उसका दिमाग आज़ाद हो गया—
ओह, ध्रुव! हां, मैं पूछ रहा था, कि तुम मेरे तंबू में क्या करने आए ... अरे... मैं यहां कैसे आ गया?
ठिंगू मास्टर का 'मिनी शॉकर' अपना काम बखूबी कर गया!
मैं तुमको बाद में सब समझा दूंगा, यूरी! फिलहाल तुम मेरे साथ आओ!
ध्रुव!
ठिंगू मास्टर! और वही बूढ़ा! ये बूढ़ा कौन है ठिंगू?
ये सर्कस के मालिक हैं, रंगराजन साहब! आयप्पा इनका पार्टनर है!
उसने इनको जलाकर मारने की कोशिश की थी!
... और लगभग मार ही डाला था। ठिंगू ने मुझे बचाया! पर मैं काफी महीनों तक जिन्दगी और मौत के बीच में झूलता रहा।
बल्कि लोगों ने तो यह समझ ही लिया था कि मैं अपने केबिन में दुर्घटनावश आग लग जाने के कारण मर गया।
ठिंगू ने भी मेरे जिन्दा होने की बात छिपाकर रखी! क्योंकि राज खुलने पर आयप्पा मुझे दुबारा खत्म करने की कोशिश कर सकता था।

मेरे ठीक होने तक काफी देर हो चुकी थी। लोगों ने और कानून ने भी मुझे मरा हुआ मान लिया था। मेरा चेहरा भी पहचाने जाने लायक नहीं रहा था।
इसीलिए मैंने बदले की भावना से, सर्कस को तबाह कर देने की ठानी। सर्कस का चप्पा-चप्पा मेरा देखा हुआ था।
टिंगू के तंबू में छिपकर रहना, और चुपचाप अपना काम करते रहना, मेरे लिए बहुत आसान था।
हां, सर्कस के जानवर मुझे आज तक पहचानते हैं। जैसे जंबो!
पर आपने मुझे मारने की कोशिश क्यों की?
क्योंकि तुम सर्कस का फायदा करवा रहे थे। और वह फायदा सीधे आयप्पा की जेब में जा रहा था! इसीलिए मैंने तुमको भी रास्ते से हटाने की ठान ली थी।
एक बात बताइए! आयप्पा के पास मानसिक शक्तियां भी हैं क्या?
आयप्पा के पास अपना दिमाग तक तो है नहीं! उसके पास मानसिक शक्तियां कहां से आएंगी!
तो फिर आपका दुश्मन आयप्पा नहीं, कोई और है।
और वह उस 'ट्रॉलर केबिन' के अंदर है।
वह... वह तो आयप्पा का ही 'ट्रॉलर केबिन' है।
और ट्रॉलर केबिन के अन्दर—
अब ध्रुव भी खत्म होने वाला है। और लुई और एटलस मेरी चीज लेकर भी आने वाले हैं। अब मेरी योजना पूरी होने के आखिरी चरण में है।
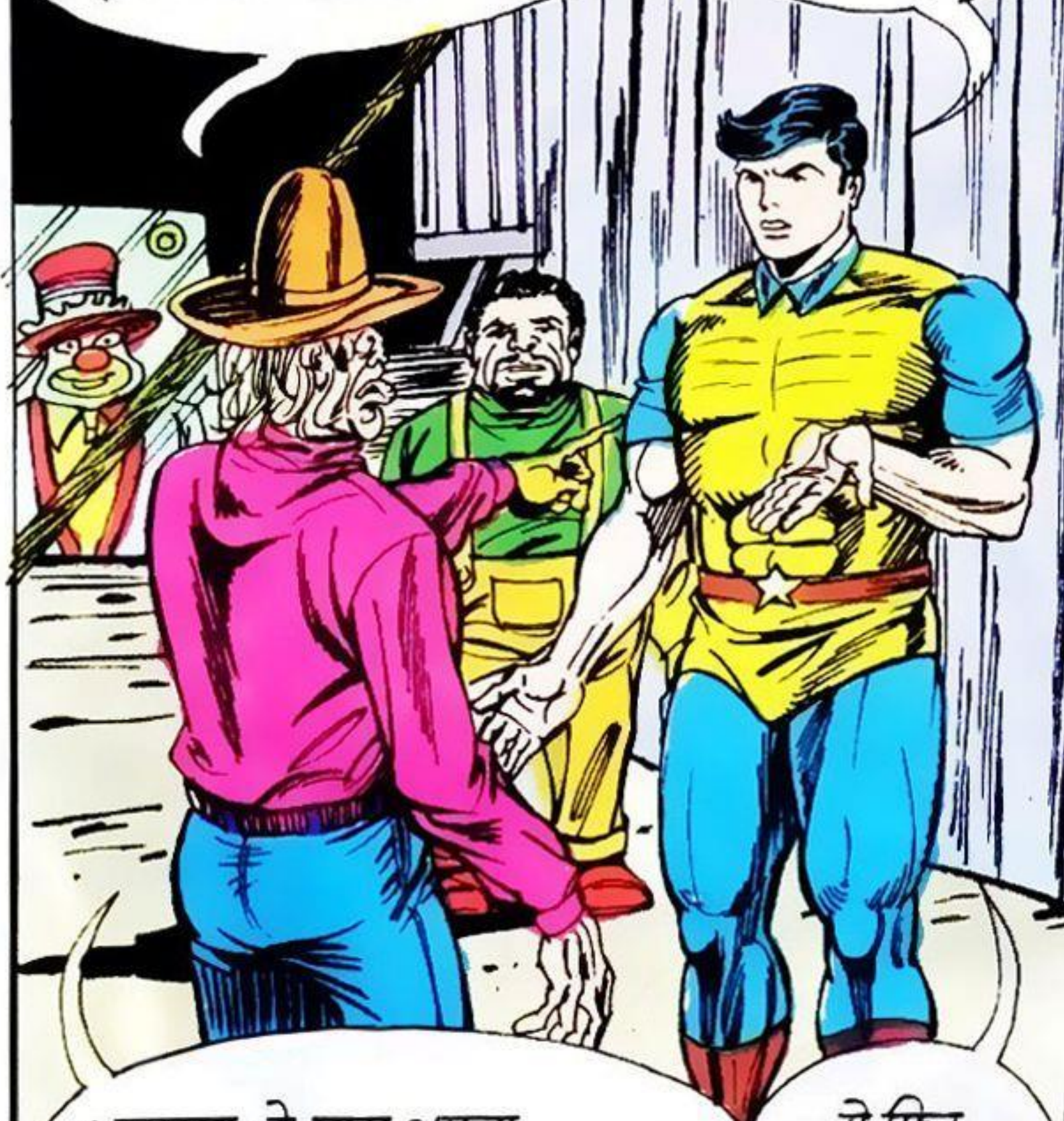
और वह तुम्हारी योजना सिर्फ योजना ही रहेगी...
...ध्रुव!
पहले आयप्पा आश्चर्यचकित हुआ—
और फिर सभी की आंखें आश्चर्य से फट पड़ीं—
ओ माई गॉड!
यह क्या है?
स्टार फिश!

हां, स्टार फिश, रंगराजन! वही जिसको तुम्हारे एक दोस्त ने ग्रीनलैंड के पास, एक हिमखंड के अंदर लगभग मृत रूप में पाया था। और तुमको उपहार के रूप में लाकर दिया था। तब मैं छोटा सा था आकार में।
तुम्हारा दोस्त यह नहीं जानता था कि हम स्टार फिशों में एक अद्भुत शक्ति होती है। मानसिक तरंगों की शक्ति!
तुमने मुझे बचाया। पाला-पोसा! और उसी दौरान मैं तुमसे और सर्कस में आने वाले अनगिनत लोगों के दिमाग पढ़-पढ़कर ज्ञान बटोरता रहा।
मेरी मानसिक शक्तियां बढ़ती रहीं, और मेरा ज्ञान भी बढ़ता रहा।
लेकिन मेरा मानवों को मारने का कोई इरादा नहीं है। आखिरकार हम लोगों को भी तो काम करने के लिए कर्मचारी चाहिए!
और वे कर्मचारी बनेंगे मानव! मैंने अपना अभियान, मानवों के मस्तिष्कों पर कब्जा जमाकर शुरू किया!
उसी ज्ञान से मुझे पता चला कि तुम मानवजाति के पशु, धरती को चूस-चूस कर कंगाल कर रहे हो। हवा, पानी में गंदगी घोल रहे हो!
तब मैंने यह निश्चय किया कि मुझे और मेरे जैसे अन्य समुद्री जीवों को पृथ्वी की बागडोर संभाल लेनी चाहिए।
और सबसे पहले मैंने जिस दिमाग पर कब्जा जमाना चाहा, वह तुम्हारा दिमाग था रंगराजन! पर तुम्हारी इच्छा-शक्ति ने मुझे असफल कर दिया।
तब मैंने आयप्पा के दिमाग पर कब्जा जमा कर, तुमको रास्ते से हटा दिया। पर तुम बच गए!

और उस गलती को मैं अब सुधारूंगा।
बचो, रंगराजन!
हमने अगर पृथ्वी को अंजाने में गंदा किया है, स्टार फिश, तो हम उसको साफ करने का प्रयास भी कर रहे हैं।
लेकिन तुम्हारा पृथ्वी से मानवों को ही साफ कर देने का प्रयास...
... मैं कभी सफल नहीं होने दूंगा!
पानी के बगैर तुम ज्यादा देर तक जिन्दा नहीं रह सकते!
छनाक
पानी के एक तेज रेले ने, सभी को बहाकर, केबिन के बाहर पटक दिया—
गड़ब! अब स्टार फिश के खत्म होने में कुछ ही मिनटों की देर है।
स्सर्रर्रर्रर्रर्रर्रर्रर्र
ये काम मुझे बहुत पहले कर देना चाहिए था, ध्रुव!

लेकिन ध्रुव और रंगराजन की यह खुशी, सिर्फ एक पल के लिए ही कायम रह पाई–

क्योंकि अगले ही पल–

और–

बूऽऽऽम

मैं स्टार-फिश हूं, मूर्खो। और मेरा ज्ञान इतना असीमित है, कि मैंने हवा में सांस लेने की कला भी सीख ली है!

और मेरी सांसें चलने के लिए, तुम लोगों की सांसों का बन्द होना जरूरी है।

एक 'मेंटल-ब्लास्ट' ने पूरे टॉलर केबिन के परखच्चे उड़ा कर रख दिए–

अभी लुई और एटलस वह 'मानसिक यंत्र' लेकर आते ही होंगे, जिसको पाने के बाद, पूरी दुनिया की ताकतें मिलकर भी मुझे रोक नहीं पाएंगी। अब शुरू होता है, स्टार फिश का विजय अभियान!

इसी वक्त- सर्कस के मुख्य द्वार पर-
हैं! कहां गया वह 'मानसिक यंत्र' वाला बोरा!
मैंने तो उसे डिक्की में ही रखा था!
वह मेरे पास है!
माफ करना, भाई लोगो! दरअसल मैंने आपको बिना बताए, आपकी गाड़ी की डिक्की में लिफ्ट ले ली थी!
पर रास्ते का बिल्कुल पता नहीं चला!
चंडिका!
ये जो आप मानसिक यंत्र उठाकर लाए थे, इसके अन्दर, इसकी 'बुकलेट' भी रखी हुई है। उसमें इसको इस्तेमाल करने का तरीका भी लिखा हुआ है। वही पढ़ते पढ़ते रास्ता कट गया।
जानते हो ये कैसे चलता है?
देखो, ऐसे!
ताड़
धड़
अब जरा सर्कस के अन्दर चलकर ध्रुव भइया के हाल-चाल पता किए जाएं।
ध्रुव, 'स्टार फिश' के वारों से बचता फिर रहा था-
यूरी, तुम्हारे पास भी तो मानसिक शक्तियां हैं। तुम 'स्टार फिश' को रोकने के लिए कुछ करो!
स्टार फिश के सामने मेरी शक्तियां बचकानी हैं, ध्रुव!
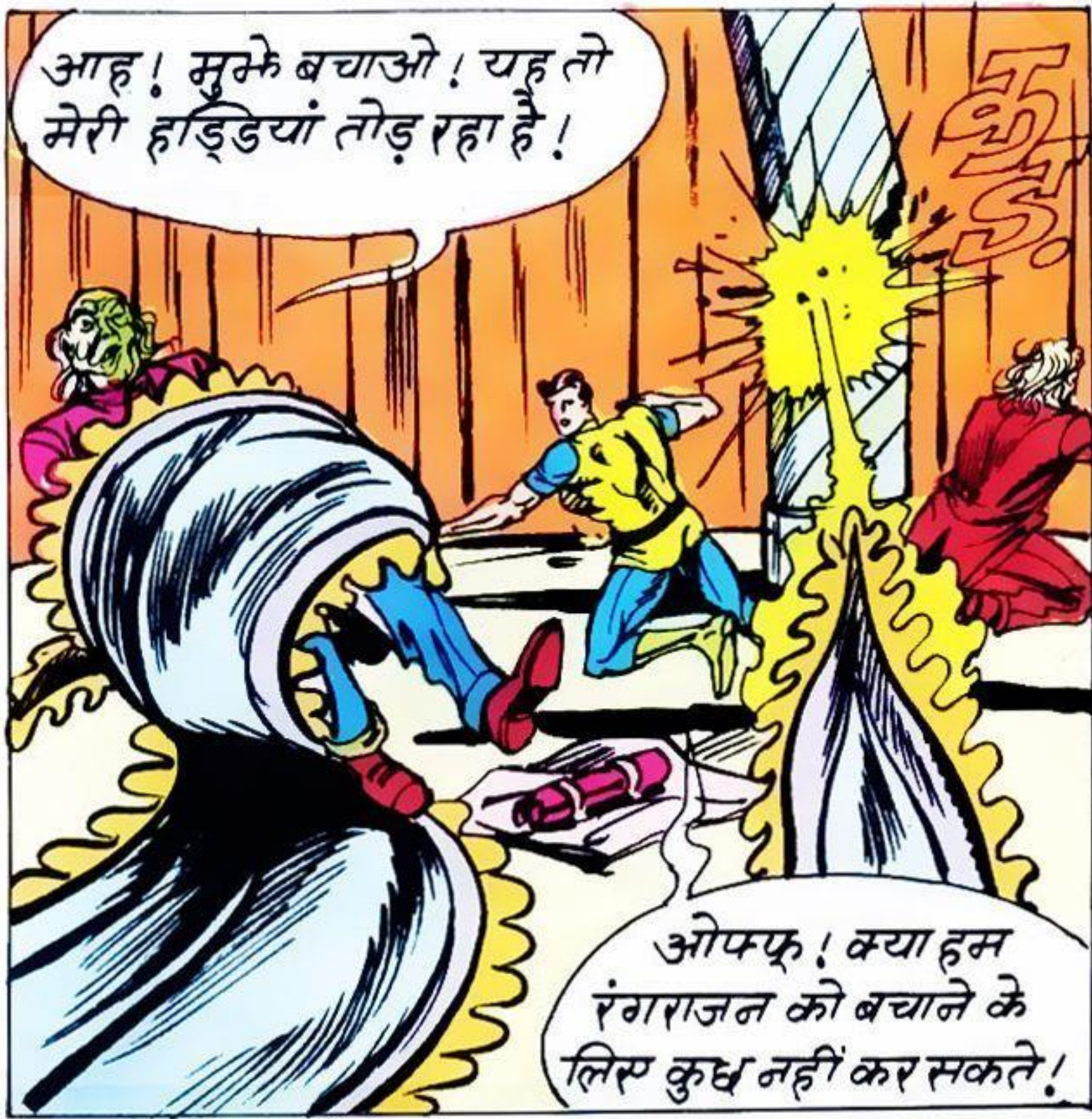
आह! मुझे बचाओ! यह तो मेरी हड्डियां तोड़ रहा है!
कड़ड़ड़
ओफ्फ! क्या हम रंगराजन को बचाने के लिए कुछ नहीं कर सकते!
ध्रुव! क्या हो रहा है यहां पर?
चंडिका! तुम यहां पर कैसे? और तुम्हारे पास यह 'मानसिक यंत्र'? कमाल का संयोग है। अभी हमको इसी की सख्त आवश्यकता थी।
लाओ, इसे मुझको दो!
ध्रुव ने यूरी शेलर को संक्षेप में 'मानसिक यंत्र' की कार्यशैली समझा दी—
इसको पहनकर 'स्टार-फिश' पर वार करो! अब रंगराजन और हम लोगों को सिर्फ तुम ही बचा सकते हो, यूरी!
क्योंकि तुम्हारे पास पहले से ही मानसिक शक्तियां मौजूद हैं।
मैं कोशिश करता हूं, ध्रुव!
यूरी का पहला मानसिक वार सचमुच घातक निकला—
'स्टार फिश' तड़पकर रंगराजन को छोड़ने के लिए मजबूर हो गई—
चिंयां यांयां
और उसने अपना ध्यान यूरी शेलर की तरफ लगा दिया—
यह तो वही 'मानसिक यंत्र' लगता है, जो मुझे चाहिए था! इसे मुझे दे दे, यूरी!
वर्ना मैं इसे तेरी लाश पर से उतार लूंगा!
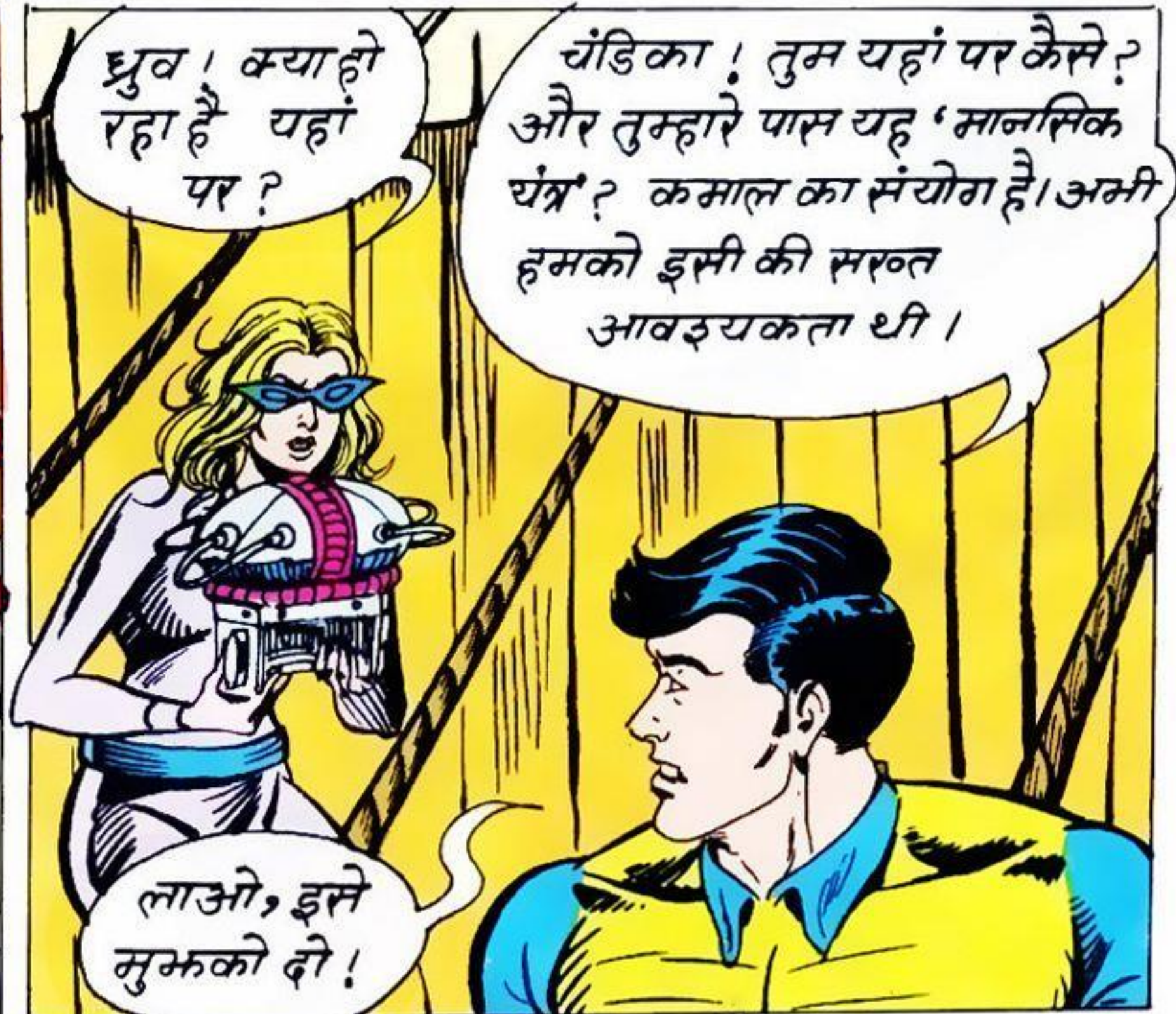
अचानक-
ओह! ध्रुव, इसकी मानसिक शक्तियां बहुत तेज हैं। मेरे मस्तिष्क के साथ-साथ इस मानसिक यंत्र पर भी जोर पड़ रहा है!
यह ज्यादा देर तक सही-सलामत नहीं रह पाएगा!
मैं तुम्हारी क्या मदद कर सकता... वाह! यह कार्बनडाइ आक्सॉइड वाल फायर-एक्सटिंगिशर!
यह कुछ काम कर सकता है! क्योंकि इससे ठोस कार्बन डाइ आक्साइड के कण निकलते हैं, जिनको अत्यधिक ठंडा होने के कारण 'सूखीबर्फ' भी कहा जाता है।
और 'स्टार-फिश' पहले भी हिमखंड में कैद होकर अधमरी सी हो चुकी है। यह बर्फ की ठंडक नहीं सह पाती है।
इसका केन्द्र ही इसकी सबसे कमजोर जगह लग रही है! यहीं पर वार करना ठीक रहेगा।
यूरी से 'मानसिक यंत्र' लेने में जुटी, स्टार फिश, ध्रुव पर ध्यान नहीं दे रही थी—
और जब तक वह ध्यान दे पाती, तब तक बहुत देर हो चुकी थी—
आर्रर्रईई! ये ठंड! मुझे सुईयां सी चुभ रही हैं। मेरा दिमाग सुन्न हो रहा है। आऽऽऽऽ!

००० बेहोश हो रही००० आऽऽऽह !
एक तेज आवाज के साथ, स्टार फिश का बेहोश शरीर, धम्म से नीचे आ गिरा —
धम्म्म
और उसके बेहोश होते ही, उसके मानसिक बंधनों में कैद, सभी लोग आजाद हो गए —
म००० मैं कहां हूं? यह सब क्या हो रहा है?
घबराइए नहीं, आयप्पा साहब! हम आपको सब समझा देंगे!
और सारी बातें समझने के बाद —
मैं तुम्हारा भी अपराधी हूं, रंगराजन, और राजनगर के निवासियों का भी। इसीलिए मैं तुम्हारे सामने यह घोषणा करता हूं, कि आज से एक हफ्ते तक राजनगर वासियों को एकदम मुफ्त में सर्कस दिखाया जाएगा।
और हर रात को एक शो देगा सुपर कमांडो ध्रुव।
क्यों ध्रुव, राजी हो न?
किसी भी अच्छे काम के लिए मैं हमेशा राजी हूं।
पर पहले स्टार फिश को कैद में रखने के लिए बर्फ की सिल्लियों से भरा ट्रक तो मंगालो। बाद में इसको परमानेंट कैद में रखने का रास्ता ढूंढेंगे।
समाप्त.

सुपर हीरोज के खून और नागराज के बदले के रंग में डूबा एक मल्टीस्टार सुपर विशेषांक

यहां से आगे जाने की जिद छोड़ दो, नागराज! वर्ना मैं और मेरे साथी तुम सबको बलपूर्वक रोकेंगे।
ऐसा होगा तो खून की नदियां बह जाएंगी ध्रुव...
...क्योंकि रोके जाने पर मैं और मेरे साथी बन जाएंगे तुम सब की मौत के...
अनुपम
परकाले
पृष्ठ संख्या: 128
मूल्य: 40/-
राज कॉमिक्स की एक धमाकेदार प्रस्तुति
राज कॉमिक्स में नागराज और सुपर कमांडो ध्रुव का एक टू इन वन सुपर विशेषांक